राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 15 दिसंबर–2021 वर्ष–4,अंक–322 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में एक छात्र को 6 युवकों अपहरण करके अंगुली काट दी, बाद में 3 घंटे तक घुमाया और छोड़ दिया.

क्रांति समय,सूरत

सूरत के भेस्तान सिद्धार्थ नगर से दो बाइक सवारों ने एक छात्र के सिर पर मार कर उसकी उंगली काटकर तीन घंटे तक अलग-अलग इलाकों में घूमते हुए अपहरण कर लिया गया. इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल लाए गए छात्र ने बताया कि हमलावर सभी असामाजिक तत्व थे और सोसायटी में मनीष गुर्जर नाम के एक दोस्त के बारे में पूछताछ कर मुझे मारने की कोशिश की थी. कटी हुई उंगली के साथ विकास चौधरी नामक छात्र जो उसके पिता एक किराने का दुकान चलाते हैं! बाइक से अगवा किए गए विकास गणपत चौधरी (घायल) ने बताया कि घटना दोपहर करीब दो बजे की है। मैं सोसाइटी में अपने दोस्त राहुल और हर्ष के साथ खड़ा था। तभी अचानक दो बाइक पर सूरज, राज, कुलदीप, अखिलेश, अनिकेत समेत कुछ युवक आ गए। मनीष गुर्जर ने जब पूछा कि कहां है तो उसने मुझ पर हमला कर दिया और मेरे सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। फिर उन्होंने मेरी उंगली काट दी और मुझे बाइक पर बिठा दिया और मेरा अपहरण कर लिया।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लिंबायत, डिंडोली फाटक समेत इलाके में करीब ३ घंटे तक घुमाया और मारा . फिर पांडेसरा में मुझे प्युषपोईन्ट

के पास ले आए और मुझे बैठाया और भेस्तान साईं मोहन के पास एक रिक्शा में छोड़ने के लिए कहा। एक रिक्शा चालक ने खून से लथपथ हालत में होने के बाद ओटोचालक के साथ में जाने के बाद, जिसके बाद मुझे १०८ में सिविल लाया गया था। मैं ११वीं कक्षा का छात्र हूं। मेरे पिता किराना दुकान चलाते हैं। मैं परिवार में इकलौता बेटा हूं। मूल रूप से यूपी के रहने वाले हैं। मेरा किसी से कोई झगड़ा नहीं है। मैं हमले और अपहरण के बारे में कुछ नहीं जानता। इस तरह के बात विकास चोधरी बता रहा हैं

घटना के ३ घंटे बाद छात्र पास के भेस्तान से मिले दोस्त ने कहा कि मैं विकास को उठाकर पहुंचा हूं। विकास की मां रो रही थी। मैंने तुरंत थाने में सूचना दी। हालांकि ३ घंटे बाद जब यह बताया गया कि विकास भेस्तान के पास है तो हम उसे सिविल ले आए।

शिकायत दर्ज कर पांडेसरा पीआई ए.पी. चौधरी (पीआई पांडेसरा) ने कहा कि झगड़े के पीछे एक -दूसरे की भीतर झगड़ा और पूरानी किसी रंजिश होने का अंदाजा फिलहाल लगाया जा सकता है. शिकायत दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है। जाँच होने के बाद ही इस घटनाक्रम की सही जानकारी मिलने का बाद आगे की कार्यवाही किया जायेगा.

पांडेसरा बना असामाजिक का स्वर्ग

सूरत में तलवार और चाकू लेकर दफ्तर में घुसे हमलावर युवक को सिविल अस्पताल में किया गया शिफ्ट

क्रांति समय,सूरत

सूरत के पांडेसरा में बमरोली मिलन पॉइंट के एक ऑफिस में दो लोगों पर 8-10 लोगों ने हमला किया गया और उनमें से एक पीठ में चप्पू मारकर भाग गया। हमले के पीछे घायलों की निजी रंजिश बताई जा रही है। ऑटो रिक्शा में सूरत सिविल लाए गए दो में से एक को तत्काल ओपरेशन करने के लिए ले जाया गया। डॉक्टरों ने कहा कि कल्लू मिस्त्री की हालत गंभीर है.

बीच बचाव में पड़े व्यकित को चाकू मार कर भागे सिनाकू कुमार शर्मा (बिल्डर) ने कहा कि, ओफिस में कल्लम मिस्त्र पक्ष उर्फ धर्मेंद्र पांडेय के साथ जमीन ले-बेच का करोबार करने वाले के ऑफिस में अचानक 8-10 लोग

हाथों में तलवार और चाकू लेकर ऑफिस में घुसे, कौन चिंतिन है ? इतना कहकर वह खड़ा हो गया और बोला कि मुझसे पूछेगा और मुझ पर गिर पड़ा। बचाव के लिए आए कल्लू पीठ पर चप्पू मार कर भागे हुए. और बेतरतीब तलवार लहरा रहे थे। उलटी गिनती के कुछ ही मिनटों के भीतर, कल्लू और चिंटू (संपत्ति का विक्रेता) भी भाग गए। हमलावर, धर्मेंद्र पांडे (घायल), होने की वजह से अस्पताल ले जाया गया. पिछले कुछ समय से महावीर दुबे का पारिवारिक कलह चल रहा है। जिसकी नाराजगी होने के कारण इस ह्मले की वजह बताया जा रहा हैं पांडेसरा पुलिस इस पर जाँच कर रही हैं जाँच में आगे की हकीकत क्या हैं इस पता चलेगा.

हत्या के आरोप में मिली बेल, एडवोकेट की तथ्यों पर जज हुआ सहमत

क्रांति समय,सूरत

सूरत,सचिन पुलिस थाने के क्षेत्र मैं मैं एक अज्ञात युवक को चोर समझकर सोसाइटी के रईसों द्वारा मार मारने से मौत हुई थी पुलिस ने हत्या का आरोप लगाकर 7-7 व्यक्तियों को पकड़ कर उनके ऊपर दफा 302 के तहत खून का आरोप लगाकर कोर्ट में हाजिर कर जेल में भेजा गया था जिसमें आरोपी नंबर 1 शिवा गंगाराम पाल आरोपी नंबर 2 देशराज विश्वकर्मा आरोपी नंबर 3 लक्ष्मी माधव को को तथा सुरेंद्र महतो चारों आरोपियों की जमानत याचिका एडवोकेट योगेश ठक्कर मनोज पाल शैलेश पाल द्वारा किया गया अदालत में एडवोकेट में

एडवोकेट मनोज पाल

दिल की थी कि आरोपी निर्दोष है उन्होंने किसी किसी की हत्या नहीं की है यह बनाओ जहां बना वहीं आरोपियों का निवास स्थान है

इस वजह से पुलिस ने मात्र शंका के आधार पर इन्हें गिरफ्तार किया था यह एक आकस्मिक बनाओ था युवक को मार डालने का इन आरोपियों का कोई इरादा नहीं था इन सभी दलीलों को गृह रखते हुए सूरत कोर्ट द्वारा जमानत याचिका मंजूर की गई

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार

सपना वह नहीं होता जो आप नींद में देखते हैं, यह तो कुछ ऐसी चीज़ है जो आपको सोने नहीं देती है। - अब्दुल कलाम

संपादकीय

सुधार का दीपक

भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की प्रशंसा होनी ही चाहिए। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसके लिए भगवान शिव की नगरी काशी के सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए। धीरे-धीरे अतिक्रमण और व्यावसायिक दबाव की वजह से जिस तरह से विश्वनाथ धाम की उपेक्षा बढ़ती जा रही थी, जैसे-जैसे वहां पहुंचने की गलियां संकरी होती जा रही थीं, वैसे-वैसे काशी का आकर्षण भी कहीं न कहीं प्रभावित हो रहा था। धाम की ओर जाने वाली गलियों का चौड़ीकरण नामुमकिन लगता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यहां से सांसद बनने से यह काम आसान हुआ। उन्होंने बिल्कुल सही कहा है कि यदि सोच लिया जाए, तो असंभव कुछ भी नहीं है। प्रधानमंत्री की इस परियोजना के मार्ग में कतई कम अड़चनें नहीं थीं, दुकानों, लोगों को विस्थापित किया गया, दृढ़ता के साथ कुछ धर्मस्थल भी हटाए गए, चंद लोग तो आज भी राजनीतिक कारणों से विरोध जता रहे हैं, लेकिन एक भव्य मंदिर परिसर के रूप में परिणाम दुनिया के सामने है। काशी विश्वनाथ के परिसर में श्रद्धालुओं के लिए बहुत बड़ी जगह निकल आई है, जिससे इस धाम के आकर्षण में चार चांद लगना तय है। काशी से प्रधानमंत्री ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए। प्रधानमंत्री का यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीन भावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि यह सरकार देश व समाज को बदल रही है। प्रधानमंत्री अपने आलोचकों को खूब जानते हैं, अत- उन्होंने उचित ही कहा है कि आज का भारत सिर्फ सोमनाथ के मंदिर का सौंदर्यीकरण ही नहीं कर रहा, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछा रहा है। आज का भारत सिर्फ बाबा केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार ही नहीं कर रहा, आज का भारत सिर्फ अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर ही नहीं बना रहा, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बना रहा है। आज का भारत सिर्फ बाबा विश्वनाथ धाम को भव्य रूप ही नहीं दे रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दे रहा है। मतलब एक ही साथ विरासत और विकास की चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। प्रधानमंत्री ने काशी से पूरा लेखा-जोखा दिया है कि कैसे धर्मक्षेत्रों और नगरों में सुधार के लिए काम हो रहे हैं। कुल मिलाकर, पूरे देश में गौरवशाली धार्मिक प्रतीकों का पुनरोद्धार ऐसे किया जा रहा है, जैसे पहले कभी नहीं किया गया था। इन सुधारों से न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सामाजिक और आर्थिक लाभ के भी रास्ते खुल सकते हैं। हालांकि, भारत में अब भी अनेक तीर्थ ऐसे हैं, जो गंदगी का अड्डा बने हुए हैं। जहां खाद्य में मिलावट, ठगी, छीनाझपटी, चोरी की घटनाएं खूब होती हैं। नैना देवी का हादसा हो या जोधपुर की चामुंडा माता मंदिर के पास का हादसा, संकरी गलियों में भगदड़ कितनी जानलेवा साबित हुई है, यह अलग से बताने की जरूरत नहीं है। देश में बढ़ती आबादी और जीविका की तलाश में कोने-कोने में बाजार सजाने-लगाने की परिपाटी दुखद है। अब काशी में अगर सुधार का दीपक जल उठा है, तो उसकी रोशनी तमाम तीर्थों में भी सुधार के प्रति समर्पण बढ़ाएगी।

आज के कार्टून

कर्मफल

श्रीराम शर्मा आचार्य

अहंकार और अत्याचार संसार में आज तक किसी को बुरे कर्मफल से बचा न पाए। रावण का असुरत्व यों मिटा कि उसके सवा दो लाख सदस्यों के परिवार में दीपक जलाने वाला भी कोई न बचा। कंस, दुर्योधन, हिरण्यकशिपु की कहानियां पुरानी पड़ गई। हिटलर, सालाजार, चंगेज और सकिंदर, नेपोलियन जैसे नर-संहारकों का अंत कितना भयंकर हुआ यह भी अब अतीत की गाथाएं हैं। नागासाकी पर बम गिराने वाले अमेरिकन वैमानिक फ्रेड ओलीपी और हिरोशिमा के विलेन मेजर ईथरली का अंत कितना बुरा हुआ, यह देखकर सुनकर सैकड़ों लोगों ने अनुभव कर लिया कि संसार संरक्षक के बिना नहीं है। शुभ-अशुभ कर्मो का फल देने वाला न रहता होता, तो संसार में आज जो भी कुछ चहल-पहल दिखाई दे रही है, वह कभी की नष्ट हो चुकी होती। यहां कहानी एक ऐसे विलेन की है जिसने अपने दुष्कर्मो का बुरा अंत अभी-अभी कुछ दिन पहले ही भोगा है। जलियावाला हत्याकांड की जब तक याद रहेगी तब तक जनरल डायर का डरावना चेहरा भारतीय प्रजा के मस्तिष्क से न उतरेगा। पर बहुत कम लोग जानते होंगे कि डायर को भी अपनी करनी का फल वैसे ही मिला जैसे सहसबाहु, खर-दूषण, वृत्रासुर आदि को। हंटर कमेटी ने उसके कार्यों की सार्वजनिक निंदा की, उससे उसका मन अशांत हो उठा। तत्कालीन भारतीय सेनापति ने उसके किए हुए काम को बुरा ठहराकर त्यागपत्र देने का आदेश दिया। फलत- अच्छी खासी नौकरी हाथ से गई। 1921 में जनरल डायर को पक्षाघात हो गया। उसका आधा शरीर बेकार हो गया। गठिया हो गया। उसके मित्र साथ छोड़ गए। उसके संरक्षक माइकेल ओडायर की हत्या कर दी गई। ऐसी ही स्थिति में एक दिन उसके दिमाग की नस फट गई। लाख कोशिशों के बावजूद ठीक नहीं हुई। डायर सिसक-सिसक कर, तड़प-तड़प कर मर गया। अंतिम शब्द उसके यह थे-'मनुष्य को परमात्मा ने यह जो जीवन दिया है, उसे बहुत सोच-समझ कर बिताने वाले ही व्यक्ति बुद्धिमान होते हैं, पर जो अपने को मुझ जैसा चतुर और अहंकारी मानते हैं, जो कुछ भी करते न डरते हैं, न लजाते हैं, उनका क्या अंत हो सकता है? यह किसी को जानना हो तो इन प्रस्तुत क्षणों में मुझसे जान ले।'

मनुष्य और परमात्मा का मूल्यवान संवाद है 'गीता'

- प्रमोद भार्गव

श्रीमद्भगवत् गीता देश का सर्वाधिक लोकप्रिय एवं पवित्र ग्रंथ है। विद्वानों ने इसे 'परमात्मा का गीत' भी कहा है। वास्तव में यह मनुष्य और प्रकृति के बीच ऐसा मूल्यवान संदेश है, जो ब्रह्मांडीय ज्ञान को विज्ञान से जोड़ने के साथ मनुष्य को अपने जीवन मूल्य और स्वाभिमान की रक्षा के लिए युद्ध का प्रेरक संदेश भी देता है। इसलिए यह विज्ञान और युद्ध का ग्रंथ भी है। वैसे भी भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद कुरुक्षेत्र के उस मैदान में हुआ था, जहां युद्ध का होना सुनिश्चित होने के बाद भी अर्जुन अपने सगे-संबंधियों के मोह में शस्त्र डालने की मानसिकता बना चुके थे। किंतु कृष्ण के प्रेरक संदेश से अभिप्रेरित होकर उन्होंने रक्त संबंधियों से युद्ध की ठान ली। अतएव यह सत्य के यथार्थ का बोध कराने वाला संवाद भी है। ब्रह्मांड के खगोलीय ज्ञान का बोध कृष्ण-अर्जुन के पहले संवाद मार्गशीष शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से ही आरंभ हो जाता है। कृष्ण कहते है कि मैं महीने में अगहन हूं। अर्थात इस संवाद के शुरू होने से पहले ही भारतीय ऋषियों ने काल-गणना को जान लिया था। इसीलिए गीता को चारों वेद, 108 उपनिषद् और सनातन हिंदू दर्शन के छह शास्त्रों के सार रूप में जाना जाता है। इसीलिए गीता को नई शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम में शामिल करने और राष्ट्र ग्रंथ की श्रेणी में रखने की मांग उठ रही है। गीता के मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने इस दृष्टि से एक वर्णमाला भी तैयार की है, जिसमें 'अ' से अनार और 'आ' से आम के बनिस्वत 'अ' से अर्जुन और 'आ' से आर्यभट्ट पढ़ाया जाएगा। ये शब्द अर्जुन के रूप में एक समर्थ योद्धा और आर्यभट्ट के रूप में खगोल विज्ञानी से जुड़े हैं। साफ है, गीता का ज्ञान विज्ञान के सामर्थ्य से उपजा है। गीता ज्ञान का ऐसा दिव्य स्रोत है, जो स्वयं व्यक्ति से मैत्री का संदेश देता है। यह एक ऐसा मनोवैज्ञानिक संवाद है, जो अवसाद से घिरे मनुष्य को उबारने का काम करता है। मौलिक विचार प्रकट करते हुए कृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'मनुष्य को चाहिए कि वह अपने मन के द्वारा अपने जन्म और मृत्यु रूपी बंधन से उद्धार करने की कोशिश करे। यही ज्ञान उसे दयनीयता से बाहर निकाल सकता है।' अर्जुन अपने संबंधियों को शत्रु के रूप में देख इसी निम्नता के बोध से घिरकर संग्राम से पलायन की मानसिकता बना बैठा था। कृष्ण कहते हैं कि 'मन के भीतर जो जीवात्मा है, वही आपकी सच्चा मित्र और शत्रु है।' अतएव हीनता और अवसाद से घिरे मनुष्य को जीवात्मा से संवाद करने की जरूरत है। दुनिया के अनेक देशों में राष्ट्रीय झंडा, चिन्ह, पक्षी और पशु की तरह राष्ट्रीय ग्रंथ भी हैं। अलबत्ता हमारे यहां 'धर्मनिरपेक्ष' एक ऐसा विचित्र शब्द है, जो राष्ट्र-बोध की भावना पैदा करने में अकसर रोड़ा अटकाने का काम करता है। गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ बना देने की घोषणाएं जरूर होती रही हैं लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है। हालांकि नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद से उन मुद्दों का हल होना शुरू हो गया है, जो भाजपा और संघ के मूल एजेंडे में शामिल रहे हैं। इनमें धारा 370 एवं 35-ए तीन तलाक, राम मंदिर और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अमल हो गया है, लेकिन समान नागरिक संहिता, समान शिक्षा, राष्ट्र भाषा और संस्कृत पढ़ाए जाने के मुद्दे अभी हल नहीं हो पाए हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों के समाधान भी हो जाएंगे। गीता जीवन जीने का तरीका सिखाती है, बावजूद संविधान में दर्ज 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द ऐसा आडंबर है, जो गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करने और इसे शालेय शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने में सबसे बड़ी बाधा है। हालांकि संविधान में व्यक्त न तो धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा स्पष्ट है और न ही उच्चतम न्यायालयों के विभिन्न न्यायाधीशों द्वारा धर्मनिरपेक्षता शब्द की व्याख्याओं में एकरूपता है। इसलिए गीता को जब भी राष्ट्रीय महत्व देने की बात उठती है, तो तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादी गीता का विरोध करने लगते हैं, क्योंकि यह बहुसंख्यक किंतु उदारवादी हिंदू धर्मावलंबियों का ग्रंथ है। दूसरी तरफ अल्पसंख्यकों के शिक्षा संस्थान में कुरान की आयतें, बाईबिल के संदेश अथवा अन्य मध्ययुगीन मजहबी किताबें पढ़ाई जाती रहें, तो मार्क्सवादी बुद्धिजीवियों और तथाकथित सेकुलर राजनीतिज्ञों को कोई आपत्ति नहीं होती ? जबकि श्रीमद्भगवत गीता दुनिया का एक मात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी रचना महाभारत युद्ध के दौरान एक विशेष कालखंड में राष्ट्रीयता, नैतिकता और मानवता के चरम तत्वों की प्राप्ति के लिए हुई थी। यह मानव संघर्ष के बीच रचा गया युद्ध के संदेश का शास्त्र है। आज दुनिया आतंकवाद के संक्रमण काल से गुजर रही हैं, ऐसे में गीता का संदेश कर्म और उदात्त तत्वों को ग्रहण करने का एक श्रेष्ठ माध्यम बन सकता है। प्रत्यक्षतः दुनिया शांति और स्थिरता की बात करती है। लेकिन शासकों के पूर्वाग्रह, अंतर्द्वंद्व, आधुनिक विकास और सत्ता की प्रतिस्पर्धा ऐसी महत्वाकांक्षा जगाते हैं कि दुनिया कहीं ठहर न जाए। इसलिए भीतर ही भीतर धर्म, संप्रदाय, जाति और नस्ल के भेद के आधार पर दुनिया को सुलगाए रखने का काम भी यही शासक करते हैं। परिणामस्वरूप दुनिया में संघर्ष और टकराव उभरते रहे हैं। टकराव के एक ऐसे ही कालखंड में कर्मयोगी श्रीकृष्ण के मुख से अर्जुन को कर्तव्यपालन के प्रति आगाह करने के लिए गीता का सृजन हुआ। इसीलिए इसे संघर्ष-शास्त्र भी कहा गया है। गीता का संदेश है, उठो और चुनौतियों के विरूद्ध लड़ो। क्योंकि अर्जुन अपने परिजनों, गुरूजनों और मित्रों का संहार नहीं करना चाहते थे। वे युद्ध से विमुख हो रहे थे। यदि इस मानव-संघर्ष में अर्जुन धनुष-बाण धरा पर धर देते तो सत्ताधारी कौरव जिस अनैतिकता व अराजकता के चरम पर थे, वह जड़ता टूटती ही नहीं। यथास्थिति बनी रहती है। परंपरा में चले आ रहे तमाम ऐसे तत्व शामिल होते हैं, जो वाकई अप्रासंगिक हो चुके होते हैं। मूल्य-परिवर्तनशील समय में शाश्वत बने रहें, इसलिए परंपरा में परिवर्तन जरूरी है। गीता में परिवर्तन के क्रम में प्रासंगिक कर्म की व्याख्या की गई है। इसीलिए यह युगांतरकारी ग्रंथ है। दुनिया के प्रमुख ग्रंथों में गीता ही एक ऐसा ग्रंथ है, जिसका अध्ययन व्यक्ति में सकारात्मक सोच के विस्तार के साथ उसका बौद्धिक दायरा भी बढ़ाती है। फलतः गीता के एक सौ से भी ज्यादा भाष्य लिखे जा चुके हैं। अन्य धर्म-ग्रंथों की तो व्याख्या ही निषेध है। हालांकि कोई धर्म ग्रंथ चाहे वह किसी भी धार्मिक समुदाय का हो, दुनिया के सभी देशों के बीच उनका सम्मान करने की एक अघोषित सहमति होती है। गीता विलक्षण इसलिए है, क्योंकि यह सनातन धर्मावलंबियों का आध्यात्मिक ग्रंथ होने के साथ दार्शनिक ग्रंथ भी है। इसमें मानवीय प्रबंधन के साथ समस्त जीव-जगत व जड़-चेतन को एक कुटुंब के रूप में देखा गया है और उनकी सुरक्षा की पैरवी की गई है। इसीलिए भारतीय प्रबंधकीय शिक्षा में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश और गीता के सार को स्वीकार किया गया है। जब प्रबंधन की शिक्षा गीता के अध्ययन से दिलाई जा सकती है तो शिक्षा में गीता का पाठ क्यों शामिल नहीं किया जा सकता ? जबकि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी मदरसों में धर्म के पाठ, धार्मिक प्रतीक चिन्हों के साथ खूब पढ़ाए जाते हैं। गीता ज्ञान की जिज्ञासा जगाने वाला ग्रंथ है। इसीलिए प्राचीन दर्शन परंपरा के विकास में इसकी अहम भूमिका रही है। आदि शंकराचार्य से लेकर संत ज्ञानेश्वर, महर्षि अरविंद, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, विनोवा भावे, डॉ. राधाकृष्णन, ओशो और प्रभुपाद जैसे अनेक मनीषी-चिंतकों ने गीता की युगानुरूप मीमांसा करते हुए, नई चिंतन परंपराओं के बीच नए तत्वों की खोज की है। यही नहीं मुगल बादशाह शाहजहां के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह और महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन तक को एकेश्वरवाद पर आधारित इस ग्रंथ ने भीतर तक प्रभावित किया था। दारा शिकोह ने गीता का फारसी भाषा में अनुवाद भी किया था।

लोकतंत्र में असहमति के अधिकार का प्रश्न

अनूप भटनागर

राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए की संवैधानिक वैधता हालांकि इस समय न्यायिक समीक्षा के दायरे में है, लेकिन इससे बेखबर राज्यों में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में लोगों की गिरफ्तारी का सिलसिला अभी भी जारी है। इस बीच, केन्द्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि राजद्रोह के अपराध से संबंधित कानून को निरस्त या उसमें संशोधन करने का उसका इरादा नहीं है। इसके बाद इतना तो निश्चित है कि देश की शीर्ष अदालत को ही इस कानून के इस्तेमाल और इसका दुरुपयोग रोकने के बारे में अपना सुविचारित फैसला सुनाना होगा। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने 15 जुलाई को राजद्रोह संबंधी कानूनी प्रावधान की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। मानवाधिकार कार्यकर्ता मेजर-जनरल (अ.प्र.) एसजी वोम्बटकेरे की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि यह औपनिवेशिक काल का कानून है और ब्रितानी शासनकाल में स्वतंत्रता संग्राम को दबाने के लिए इसी कानून का इस्तेमाल किया गया था। क्या आजादी के 75 साल बाद भी इसे कानून बनाए रखना आवश्यक है?' हालांकि, अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने इन प्रावधानों का बचाव करते हुए उस समय भी कहा था कि इसे कानून की किताब में बने रहना देना चाहिए और न्यायालय चाहे तो इसका दुरुपयोग रोकने के लिए दिशा-निर्देश दे सकता है। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा को सूचित किया है कि गृह मंत्रालय के पास राजद्रोह के अपराध के आरोप से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को निरस्त करने या उसमें संशोधन करने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। संसद में सरकार की ओर से दिया गया यह जवाब महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में देश के सेनापति सीडीएस जनरल बिपिन रावत और ब्रिगेडियर लिड्डर सहित सैन्य बल के 13 सदस्यों की हेलिकॉप्टर हादसे में मृत्यु की घटना पर खुशी जाहिर करने वालों के खिलाफ गुजरात और उत्तर प्रदेश सहित देश के कुछ राज्यों में राष्ट्र विरोधी कृत्य के आरोप में कार्रवाई की जा रही है। केन्द्र सरकार इस तथ्य से भली-भांति अवगत है कि राजद्रोह के अपराध से संबंधित कानूनी प्रावधान की वैधानिकता इस समय शीर्ष अदालत के विचाराधीन है और उसने इस संवेदनशील मुद्दे पर उससे जवाब भी मांगा है। दरअसल, धारा 124ए में राष्ट्रद्रोह की परिभाषा के अनुसार अगर कोई व्यक्ति सरकार-विरोधी सामग्री लिखता या बोलता या ऐसी सामग्री का समर्थन करता है, जिससे असंतोष पैदा हो तो यह राजद्रोह है। यह दंडनीय अपराध है। संसद में असम से सांसद बदरुद्दीन अजमल सरकार से जानना चाहते थे कि क्या हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने राजद्रोह संबंधी कानून को ब्रिटिश काल का बताते हुए कहा है कि इसका दुरुपयोग हो रहा है और क्या न्यायालय ने इस कानून की आवश्यकता और वैधता पर सरकार से जवाब मांगा है। इस सवाल के जवाब में कानून मंत्री का कहना है, 'उच्चतम न्यायालय के किसी भी फैसले या आदेश में इस तरह की टिप्पणी नहीं मिली है।' सरकार का कहना है कि इस मामले में शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए और धारा 505 के प्रावधानों के दायरे और पैमाने की, विशेष रूप से समाचार और सूचनाओं के संप्रेषित करने वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के अधिकारों और राष्ट्र के किसी भी हिस्से में शासन कर रही सरकार के आलोचकों के अधिकारों के संदर्भ में, व्याख्या करने की जरूरत है। रिजिजू ने कहा कि न्यायालय में दायर याचिकाओं में धारा 124ए को असंवैधानिक घोषित करने का अनुरोध किया गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय ने बार-बार अपनी व्यवस्था में कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को किसी भी तरह से राजद्रोह नहीं माना जा सकता। न्यायपालिका ने यह भी कहा है कि समाज में विभिन्न मुद्दों पर विपरीत विचारधारा के लिये असहिष्णुता बढ़ रही है, जो चिंता की बात है। न्यायपालिका जहां असहमति को लोकतंत्र का सेफ्टी वाल्व मानती है वहीं उसका यह भी कहना है कि असहमति को सिरे से राष्ट्रविरोधी या लोकतंत्र विरोधी बताना लोकतंत्र पर ही हमला है क्योंकि विचारों को दबाने का मतलब देश की अंतरात्मा को दबाना है। शीर्ष अदालत ने हाल ही में पश्चिम बंगाल में कुछ पत्रकारों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए इस बात को दोहराया है कि भारत एक विविधतापूर्ण देश है, जिसमें विचारों और नजरिये में मतभेद होना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में देश के राजनीतिक वर्ग के लिए भी वर्तमान स्थिति पर आत्मचिंतन करने की जरूरत है।

नागरिकों के खिलाफ राजद्रोह के आरोपों के बारे में न्यायपालिका की प्रतिकूल टिप्पणियों और विधि आयोग की रिपोर्ट और परामर्श पत्र के मद्देनजर जरूरी है कि सरकार भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को बरकरार रखने या इसमें उचित संशोधन करने पर विचार करे, ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। संसद में केन्द्र सरकार के इस जवाब और शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के 1962 के फैसले के परिप्रेक्ष्य में भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए और धारा 505 की वैधानिकता के सवाल का नतीजा कुछ भी निकले लेकिन न्यायपालिका के लिए इन प्रावधानों का दुरुपयोग रोकने के लिए उचित दिशा-निर्देश प्रतिपादित करना जरूरी है।

सू-दोकू नवताल -1990

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

सू-दोकू -1989 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1990

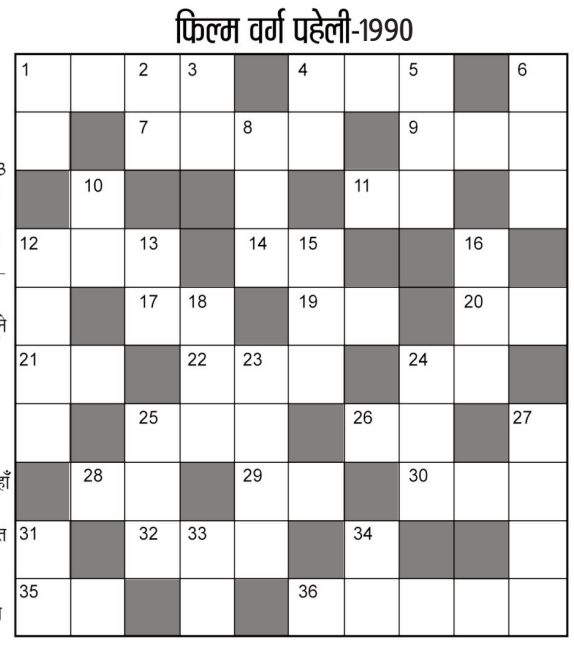

बायें से दायें:-

1. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-4
4. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
7. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, खीना, दिव्या की फिल्म-3
11. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-2
12. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-3
14. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
17. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-2
19. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-2
20. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
21. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-2
22. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-3
24. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-2
25. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-3
26. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-2
29. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
30. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
32. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
35. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
36. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

13. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-2
15. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-3
16. आफताब, लिसा रे की फिल्म-3
18. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-3
23. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
25. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-4
31. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-2
33. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-2
34. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1989

वे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

1. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
2. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-2
3. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
4. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-2
5. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
8. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
10. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-2
12. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-4

नेटफ्लिक्स ने भारत में दरें घटाई, 199 का प्लान अब 149 रुपए में मिलेगा

नई दिल्ली । नेटफ्लिक्स पहली बार भारत में अपने प्लान्स की दरें घटा रहा है। । नेटफ्लिक्स यहां साल-2016 में सेवा देना शुरू करने के बाद पहली बार अपने प्लान्स की कीमत कम कर रहा है। दरअसल, । नेटफ्लिक्स अपने यूजर बेस को बढ़ाने और बढ़ती प्रतियोगिता के बीच ऐसा कर रहा है। कंपनी ने अपने सबसे फेमस बेसिक 199 रुपए मासिक प्लान को घटाकर 149 रुपए कर दिया है। इसके अलावा एक और एंट्री-लेवल बेसिक प्लान जो ग्राहकों को एक समय में एक ही मोबाइल, टैबलेट, कंप्यूटर या टेलीविजन स्क्रीन पर एसडी में अपने शो और फिल्में देखने की इजाजत देता है, इस प्लान को 499 रुपए प्रति माह से घटाकर 199 रुपए कर दिया गया है। इसके बाद दो स्क्रीन पर एक साथ एचडी कंटेट देने वाला प्लान 649 रुपए की जगह अब 499 रुपए में मिलेगा। नेटफ्लिक्स का सबसे महंगा महीने का 799 रुपए का प्लान 649 रुपए मिलेगा। इस प्लान में एक साथ 4 डिवाइस पर अल्ट्रा हाई-डेफिनिशन क्वालिटी मिलती है। नेटफ्लिक्स का मोबाइल-ओनली प्लान जो भारत में जुलाई 2019 में 199 रुपए प्रति माह पर पेश किया गया था, अब 149 रुपए प्रति मिलेगा। ये महीने वाला नए रेट के प्लान नए बिलिंग साइकिल से शुरू होंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया की वीपी-कंटेंट मोनिका शेरगिल ने मनीकंट्रोल को बताया कि वे 14 दिसंबर से मौजूदा सदस्यों के लिए एक नया ऑटो-अपग्रेड फीचर भी शुरू किया जा रहा है जिसमें एक पॉपअप दिखाई देगा और वह ग्राहकों को ऑटो-अपग्रेड की इजाजत देगा।

20 दिसंबर को लॉन्च होंगे रियलमी जीटी 2 सीरीज के हैंडसेट

नई दिल्ली। रियलमी ने मंगलवार को खुलासा किया कि वह 20 दिसंबर को रियलमी जीटी 2 सीरीज के हैंडसेट लॉन्च करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। ऐसी संभावना है कि कंपनी इवेंट के दौरान अपना फ्लैगशिप फोन रियलमी जीटी 2 प्रो भी लॉन्च कर सकती है। कंपनी ने एक बयान में कहा, रियलमी, दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी जीटी 2 सीरीज के लिए एक बहुप्रतीक्षित विशेष कार्यक्रम की घोषणा करता है, जो 20 दिसंबर को विश्व स्तर पर तीन वर्ल्ड प्रीमियर इनोवेशन फॉरवर्ड तकनीकों को पेश करेगा। इस इवेंट का उद्देश्य दुनिया भर में लाखों यूजर्स के लिए लीप फॉरवर्ड टेक्नोलॉजीज लाना है। इस महीने की शुरुआत में, कंपनी ने पुष्टि की कि वह रियलमी जीटी 2 प्रो को नए लॉन्च किए गए स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 चिपसेट के साथ लॉन्च करेगी। स्मार्टफोन में डुअल 50 एमपी सेंसर और 8 एमपी कैमरा सेटअप शामिल होने की संभावना है। डिवाइस में जीआर लेंस होने की भी उम्मीद है जो सभी सतहों पर घोस्टिंग, मल्टि-कोटिंग को कम करके सर्वश्रेष्ठ शूटिंग प्रदर्शन प्रदान करना चाहिए। डिवाइस में 32 एमपी का फ्रंट कैमरा और 125 वॉट अल्ट्राडार्ट चाजिंर्ग के साथ 5000 एमएएच की बैटरी होने की भी उम्मीद है। रियलमी जीटी 2 प्रो में 120 हाट्‌र्ज रिफ्रेश रेट के साथ 6.7-इंच क्यूएचडी प्लस एमोएलईडी स्क्रीन और एक अंडर-डिस्प्ले सेल्फी कैमरा हो सकता है। अन्य जीटी 2 प्रो की डिटेल्स में 125 वॉट फास्ट चाजिंर्ग, एक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट स्कैनर, और बहुत कुछ शामिल हैं। स्मार्टफोन निर्माता 20 दिसंबर को होने वाले लॉन्च के समय जीटी 2 प्रो के आधिकारिक मूल्य निर्धारण और उपलब्धता विवरण की घोषणा करेगा।

स्पिनी' के साथ बतौर रणनीतिक निवेशक जुड़े सचिन तेंदुलकर

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर पुरानी कारों की बिक्री का काम करने कंपनी 'स्पिनी' के साथ बतौर रणनीतिक निवेशक जुड़े हैं।कंपनी ने इसकी जानकारी दी।कंपनी ने यह नहीं बताया कि तेंदुलकर ने कितना निवेश किया है। स्पिनी ने 1.8 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ हाल में यूनिकॉर्न कंपनी का दर्जा हासिल किया है।कंपनी ने कहा, स्पिनी ने दिग्गज भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के साथ साझेदारी की है। सचिन कंपनी में रणनीतिक निवेशक हैं और ब्रांड के प्रमुख प्रचारक (एंडोर्सर) भी हैं।'' स्पिनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा, सचिन का स्पिनी से जुड़ना बहुत खुशी की बात है।तेंदुलकर ने कहा,हमारा देश युवा हो रहा है और महत्वाकांक्षाएं बड़ी हो रही हैं। आज के उद्यमी इस आकांक्षा को पूरा करने के लिए समाधान तैयार कर रहे हैं। स्पिनी के साथ जुड़कर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।'' इस साल की शुरुआत में मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु स्पिनी के साथ जुड़ी थीं।यूज्ड कार रिटेलिंग प्लेटफॉर्म स्पिनी ने पिछले मंगलवार को नए और मौजूदा निवेशकों से 283 मिलियन डॉलर के फंडिंग को बंद करने की घोषणा की, जिससे इसका मूल्यांकन 1.8 बिलियन डॉलर हो गया और 2021 में एक और यूनिकॉर्न बन गया। कंपनी ने कहा कि जुटाई गई पूंजी का उपयोग ग्राहक अनुभव को बढ़ाने, प्रौद्योगिकी और उत्पाद क्षमताओं को मजबूत करने और सभी कार्यों में टीम बनाने ने लिए होगा। स्पिनी के संस्थापक और सीईओ नीरज सिंह ने कहा, ÷हमने कार खरीदने और बेचने के अनुभव में

विश्वास की कमी को दूर करने के लिए, अत्यधिक व्यक्तिगत और विस्तार-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ ग्राहक के पहले अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्पिनी का निर्माण शुरू किया। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, हमारा ध्यान हमारी गुणवत्ता और अनुभव नियंत्रण क्षमताओं को और मजबूत करना है।

बीएमडब्ल्यू ने भारत में 1.16 करोड़ की आईएक्स इलेक्ट्रिक एसयूवी उतारी

-यह उन 3 इलेक्ट्रिक वाहनों में से पहली है जिन्हें कंपनी अगले छह माह में उतारने वाली है

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने सोमवार को भारत में पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक एसयूवी 'आईएक्स' उतारी। इसकी शुरुआती कीमत 1.16 करोड़ रूपये रखी गई है और यह उन तीन इलेक्ट्रिक वाहनों में से पहली है जिन्हें कंपनी की अगले छह महीने के भीतर देश में उतारने की योजना है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने एक एक बयान में कहा कि इसे पूर्ण रूप से तैयार इकाई (सीबीयू) के रूप में आयात किया जाएगा और इसे देश के प्रमुख बड़े शहरों में बीएमडब्ल्यू डीलरशिप या कंपनी की वेबसाइट के जरिये बुक किया जा सकता है। इस वाहन की आपूर्ति अप्रैल, 2022 से शुरू होगी। शुरुआती पेशकश में बीएमडब्ल्यू आईएक्स के साथ बीएमडब्ल्यू वॉलबॉक्स चार्जर भी मिलेगा। कंपनी ने कहा कि वह भारत के 35 शहरों में अपने डीलर नेटवर्क पर सभी टच पॉइंट पर फास्ट चार्जर भी लगाएगी। बीएमडब्ल्यू ने पिछले महीने घोषणा की थी कि अगले छह महीने में वह भारत में तीन इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी।

ऐपल ने एंड्रॉयड यूज़र्स की सुरक्षा के लिए लॉन्च किया ट्रेकर डिटेक्ट ऐप

नई दिल्ली । ऐपल इंक ने एंड्रॉयड उपभोक्ताओं को निजी सुरक्षा देने के लिए प्राइवेसी ऐप ट्रेकर डिटेक्ट को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने बताया कि इस एंड्रॉयड ऐप से यूज़र्स को आसपास के एयरटैग्स को

स्कैन करने में मदद मिलेगी, साथ ही यूज़र्स 10 मिनट का साउंड प्ले करते ट्रैकर को लोकेट भी कर सकेंगे। ट्रैकर डिटेक्ट ऐप, जिसे गूगल प्ले स्टोर पर रिलीज़ किया है, का कहना है कि यूज़र एयरटैग्स या कंपैटिबल डिवाइस को खोजने का प्रयास करने के लिए स्कैन कर सकता है, अगर उन्हें लगता है कि कोई व्यक्ति उनकी लोकेशन को ट्रैक करने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहा है। एयरटैग्स छोटे डिवाइस होते हैं जिन्हें चाबियों और पर्स जैसी चीज़ो से जोड़ा जा सकता है, जिससे इनके खो जाने पर इनका पता लगाया जा सके। ऐपल ने कहा कि ऐप एंड्रॉयड यूज़र्स को आइटम ट्रैकर्स के लिए सक्रिय रूप से स्कैन करने में सक्षम बनाता है जो अब उनके मालिक के पास नहीं हैं। अगर ऐसा ट्रैकर 10 मिनट से ज़्यादा समय से यूज़र के साथ घूम रहा है, तो ऐप साउंड बजाकर उसका पता लगाने में मदद करेगा और इसे डिसेबल करने के लिए तरीका बताने में मदद करेगा। ऐपल के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'हम अपने यूज़र्स और इंडस्ट्री के लिए प्राइवेसी पर बार बढ़ा रहे हैं, और आशा करते हैं कि बाकी लोग इसका पालन करेंगे'। नए ट्रैकर डिटेक्ट ऐप के साथ, ऐपल एंड्रॉयड यूज़र को ऑटोमैटिक अलर्ट के इंतज़ार किए बिना आस-पास के एयरटैग खोजने के लिए और ज़्यादा पावर दे रहा है। बता दें कि ट्रैकर डिटेक्ट अब प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और ऐपल के फाइंड माई नेटवर्क से जुड़े किसी भी ट्रैकर का पता लगा सकता है।

सरकारी क्षेत्र के तीन बैंकों में दे दिन 16, 17 दिसंबर को रहेगी हड़ताल

इन बैंकों के ग्राहक पहले निपटा ले काम

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाद, तीन और सरकारी बैंकों, पंजाब नेशनल बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और आरबीएल बैंक 16 और 17 दिसंबर को बैंक हड़ताल पर जा रहे है इसकी वजह से इन बैंकों के कामकाज पर असर पड़ेगा। पीएनबी ने स्टॉक एक्सचेंज को दिए गए एक बयान में कहा है कि बैंक ने अपनी शाखाओं और ऑफिस में सामान्य कामकाज के लिए इंतजाम किए हैं, लेकिन हड़ताल की वजह से बैंक के कामकाज पर असर पड़ सकता है। वहीं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि उसने हड़ताल से निपटने के लिए सभी शाखाओं और दफ्तरों में सामान्य कामकाज के लिए मौजूदा गाइडलाइंस के सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। हालांकि हड़ताल की स्थिति में शाखाओं या ऑफिस के कामकाज पर असर पड़ सकता है। आरबीएल बैंक ने कहा है कि विरोध करने वाली यूनियनों से जुड़े उसके कर्मचारी हड़ताल में हिस्सा ले सकते हैं, जो कि इंडस्ट्री लेवल पर हैं, उनका बैंक स्तर के मुद्दों से कोई संबंध नहीं है। बैंक ने आगे कहा है कि हड़ताल के दिनों में बैंक की शाखाओं, दफ्तरों में सामान्य कामकाज के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। हालांकि हड़ताल की वजह से हमारी शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ने के आसार नजर आ रहे हैं। इसके पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा था कि यूनाइटेड फोरम ऑफ इंडिया द्वारा बुलाई गई 16-17 दिसंबर को दो दिन की हड़ताल से बैंक के सामान्य कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है। एसबीआई ने कहा है, हमें इंडियन बैंक्स एसोसिएशन से जानकारी मिली है कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने हड़ताल का नोटिस दिया है। जिसमें यह कहा गया है कि यूएफबीयू संघों के सदस्य जैसे

एआईबीईए, एआईबीसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनईएफ और आईएनबीओसी एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी ने अपनी मांगों के समर्थन में 16 और 17 दिसंबर 2021 को देशव्यापी बैंक हड़ताल पर जाने का प्रस्ताव रखा है। वहीं एसबीआई ने यह भी कहा कि उसने हड़ताल के दौरान अपनी शाखाओं में सामान्य कामकाज के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की हैं।

टेस्ला के अब भारत में स्वीकृत हुए 7 ईवी वेरिएंट : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एलन मस्क के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला को भारत में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के तीन और ट्रिम्स के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसके बाद देश में इसके कुल सात वेरिएंट स्वीकृत हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी गई है। टेस्लाराती ने सोमवार को सूचना दी कि टेस्ला इंडिया को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से मिली जानकारी का हवाला देते हुए देश में तीन और वाहनों के लिए मंजूरी मिली अगस्त में, टेस्ला को अपने चार कार मॉडलों के लिए होमोलोगेशन सर्टिफिकेट मिला। तीन और प्रमाणपत्रों के साथ, इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता के पास अब भारत में सात वाहन स्वीकृत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सटीक टेस्ला वेरिएंट जिन्हें अनुमोदन प्राप्त हुआ था, निर्दिष्ट नहीं किया गया है। हालांकि, भारतीय सड़कों पर मॉडल 3एस और मॉडल वाई एस को देखा गया है। इसमें कहा गया है कि होमोलोगेशन सर्टिफिकेट वाले लेटेस्ट तीन वाहनों के नाम भी नहीं हैं। कुछ टेस्ला परीक्षण इकाइयां भारत में स्थानीय सड़कों के माध्यम से नियमित रूप से नेविगेट कर रही हैं। फिर भी, यूएस-आधारित ईवी निर्माता ने अभी तक स्थानीय उत्पादन की दिशा में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया है। इस साल की शुरुआत में, मस्क ने कहा था कि अगर टेस्ला आयातित वाहनों के साथ सफल होती है तो भारत में टेस्ला फैक्ट्री संभव हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ सूत्रों ने कहा कि टेस्ला ने भारत भेजे जाने वाले वाहनों के आयात शुल्क को कम से कम 40 प्रतिशत तक कम करने का अनुरोध किया, जिससे अमेरिकी कंपनी को देश में परीक्षण की मांग में मदद मिल सके। हालांकि, गवनिंर्ग अधिकारियों ने कहा कि टेस्ला जैसी एकल कंपनी के लिए विशिष्ट प्रोत्साहन प्राप्त करने की शून्य संभावना है।

कार कंपनियों के बाद मोटरसाइकिल बनने वाली दुकाती ने भी दाम बढ़ने की घोषणा की

नई दिल्ली ।

अगर आप साल 2022 में कार खरीदने की योजना बना रहे हैं,तब आपको ज्यादा कीमत देनी होगी। दरअसल, देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों में अगले महीने से बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है।कंपनी ने कहा कि वह कच्चे माल की बढ़ती लागत के असर को दूर करने के लिए जनवरी से अपने सभी पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें बढ़ाएगी।टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट के प्रेसिडेंट ने कहा,कच्चा माल, सामान सहित अन्य वस्तुओं की लागत लगातार बढ़ रही है।कंपनी को बढ़ती लागत के असर को कम करने के लिए जनवरी 2022 से पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें बढ़ानी पड़ रही है। वहीं महंगी मोटरसाइकिल बनाने वाली दुकाती ने कहा कि वह अगले महीने से वाहनों के दाम बढ़ाएगी।कंपनी ने कहा कि मोटरसाइकिल के सभी प्रकार के मॉडल की कीमतें एक जनवरी 2022 से बढ़ाएगी।दुकाती ने कहा कि संशोधित कीमतें सभी मॉडल पर लागू होंगी।

रॉयल एनफील्ड हंटर 350 बाइक जल्द होगी लांच

अगले साल लांच होगी कई शानदार मोटरसाइकलें

नई दिल्ली।

स्वदेशी पॉपुलर कंपनी रॉयल एनफील्ड अगले साल भारत में कई शानदार मोटरसाइकल लॉन्च करने वाली है। इस बाइकों में रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 411 के साथ ही सुपर मीटियॉर 650 और हंटर 350 जैसी बाइक है। बीते रोज रॉयल एनफील्ड ने रॉयल एनफील्ड हिमालयन के साउथ पोल के अपकमिंग 39 डेज एक्सपीडिशन का वीडियो शेयर किया, जिसमें अपकमिंग बाइक रॉयल एनफील्ड हंटर 350 की झलक दिखी है और तब से यह चर्चा जोर पकड़ने लगी है कि यह बाइक शानदार लुक और फीचर्स के साथ कम कीमत में अगले साल भारत में लॉन्च हो सकती है। रॉयल एनफील्ड द्वारा जारी 1 मिनट 28 सेकेंड के टीजर वीडियो में मुख्य रूप से कंपनी की जर्नी के बारे में बताया गया है, साथ ही इसमें आने वाली बाइक्स के बारे में भी आंशिक रूप से दिखाया गया है। इसी वीडियो में अपकमिंग हंटर 350 के फ्यूल टैंक भी झलक दिखी है। हालांकि, आधिकारिक रूप से रॉयल एनफील्ड की इस बाइक के बारे में कंपनी ने जानकारी नहीं दी है, लेकिन अब तक स्पाई इमेज और मीडिया रिपोर्ट्स में जिस तरह की बातें सामने आई है, उसके मुताबिक स्क्रैम्बलर स्टाइल की यह बाइक अगले साल के मध्य में भारत में लॉन्च कर दी जाएगी। फिलहाल रॉयल एनफील्ड अपनी बेस्ट सेलिंग बाइक क्लासिक 350 के साथ ही मीटियॉर 350, बुलेट 350 और 650 ट्विन्स के जरिये पावरफुल बाइक सेगमेंट में इंडियन मार्केट में छाई हुई है। बता दें कि रॉयल एनफील्ड ने कुछ महीने पहले कहा था कि वह हर साल 4 नई बाइक लोकल

मार्केट में लॉन्च करेगी। इसके साथ ही पॉपुलर बाइक के नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल भी आएंगे। अगले साल, यानी 2022 में कंपनी शानदार क्रूजर बाइक सुपर मीटियॉर 650 के साथ ही हिमायलन का लो-बजट मॉडल रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 411 भी लॉन्च करने की तैयारी में है। इन बाइक्स को बीते दिनों टेस्टिंग के दौरान देखा गया है।

आईजीआई हवाईअड्डे ने शुरू की संपर्क रहित ई-बोर्डिंग सुविधा

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी के आईजीआई हवाईअड्डे ने सभी उड़ानों में प्रस्थान करने वाले यात्रियों की तेज और निर्बाध प्रसंस्करण को सक्षम करने के लिए संपर्क रहित ई-बोर्डिंग सुविधा शुरू की है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने एक बयान में कहा, सभी बोर्डिंग गेटों में बोर्डिंग कार्ड स्कैनर के साथ संपर्क रहित ई-बोर्डिंग गेट हैं, जो यात्रियों को उड़ान विवरण सत्यापित करने के लिए अपने भौतिक या ई-बोर्डिंग कार्ड को फ्लैश करने की अनुमति देगा और एक बार हो जाने के बाद, वे सुरक्षा जांच के लिए आगे बढ़ सकते हैं। ई-गेट्स को टचलेस टेक्नोलॉजी द्वारा सशक्त बनाया गया है। जिन यात्रियों ने ई-गेट्स पर स्कैन करके अपने बोर्डिंग पास को सत्यापित किया है, वे सुरक्षा जांच के लिए ई-बोर्डिंग गेट्स से आगे बढ़ सकते हैं और फिर अपने दस्तावेजों को फिर से दिखाए बिना उड़ान भर सकते हैं। डायल के अनुसार, टर्मिनल 3 और टर्मिनल 2 दोनों पर ई-बोर्डिंग गेट स्थापित किए गए हैं और टर्मिनल 1 पर तैनाती जारी है। इनमें दोहरी लेन, चौड़ी लेन और सामान्य लेन ई-गेट शामिल हैं। टचलेस प्रक्रिया न केवल कोविड-19 के तहत सुविधा की सतहों को छूने और लोगों के संपर्क को कम करती है, बल्कि बोर्डिंग समय को भी कम करती है। डायल के अनुसार, इस तकनीक ने लेन-देन के समय को

50 प्रतिशत कम कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप कतारें कम हो गई हैं और सुरक्षा पहलू में भी सुधार हुआ है, जहां बोर्डिंग कार्ड के विवरण को एयरलाइन के बैक ऑफिस से सत्यापित किया जाता है।

कट्टरता का समर्थन एर्दोगन को पड़ा भारी, टर्किश लीरा में औधे मुंह गिरी

अर्थव्यवस्था पर भारी संकट

इस्तांबुल ।

इस्लाम के चरमपंथ के रहनुमा बनने वाले तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को कट्टरता का समर्थन करना भारी पड़ने लगा है। इस्लाम के नाम पर इमरान खान के साथ दोस्ती की कसमें खा रहे एर्दोगन तुर्की को भी पाकिस्तान की राह पर लेकर जा रहे हैं। एर्दोगन की जोखिम भरी नई आर्थिक नीति और दरों में कटौती की संभावनाओं के कारण तुर्की की मुद्रा लीरा सोमवार को डॉलर के मुकाबले 7 फीसदी तक गिर गई। पिछ्ले एक साल से लीरा में जारी गिरावट के कारण तुर्की की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगा है। इतना ही नहीं एफएटीएफ की निगरानी सूची में आने के कारण तुर्की को बाहरी निवेश लाने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में एक डॉलर की कीमत 13।83 लीरा है। लीरा में लगातार अवमूल्यन के कारण तुर्की के केंद्रीय बैंक ने दो सप्ताह में अपने चौथे बाजार हस्तक्षेप की घोषणा की है। डॉलर की कीमत बढ़ने के कारण तुर्की के आयात-निर्यात और विदेशी मुद्रा भंडार पर भी नकारात्मक असर दिख रहा है। अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के बढ़ने के कारण आम जनता पर महंगाई का बोझ पड़ रहा है। लीरा के लगातार अवमूल्यन को रोकने में विफल होने के कारण एर्दोगन ने दिसंबर के शुरुआत में ही तुर्की के वित्तमंत्री को हटा दिया था। आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित एक घोषणा के अनुसार, एर्दोगनन ने नुरेद्दीन नेबाती को वित्त मंत्री बनाया है जो पहले उप मंत्री थे। इस साल की शुरुआत से अब तक तुर्की की मुद्रा का करीब 40 प्रतिशत अवमूल्यन हो चुका है। एर्दोगन ने लगातार तर्क दिया है कि ऊंची ब्याज दरों से महंगाई बढ़ती है जबकि पारंपरिक अर्थशास्त्र के हिसाब से यह उलट सोच है। राष्ट्रपति ब्याज दरों में अंतर के कारण 2019 से सेंट्रल बैंक के तीन गर्वनर को हटा चुके हैं। पिछले हफ्ते के आंकड़ों से पता चला है कि केंद्रीय बैंक का अंतरराष्ट्रीय भंडार गिरकर 22.47 अरब डॉलर हो गया है। ट्रेडवेब के आंकड़ों के अनुसार, तुर्की का सॉवरेन डॉलर बांड 2034 के अंक में 0.8 सेंट नीचे गिर गया। अमेरिका की पाबंदियों के कारण तुर्की की अर्थव्यवस्था इन दिनों संकट से गुजर रही है।

जो बाइडेन ने अपने शपथग्रहण के बाद सबसे पहले तुर्की पर ही आर्थिक प्रतिबंधों का ऐलान किया था। तुर्की अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा है।

नए साल में बढेगी टाटा की कारों की कीमतें

ग्राहकों के लिए सस्ते में कार खरीदने का आखिरी मौका

नई दिल्ली।

नए साल में टाटा मोटर्स ने अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा कर दी है। कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी के चलते यह फैसला किया है। कंपनी अपने पूरे पैसेंजर वीकल रेंज की कीमते बढ़ाएगी। टाटा के अलावा लग्जरी बाइक निर्माता ब्रैंड डुकाटी भी अपनी बाइक्स की कीमत बढ़ाने वाले हैं। टाटा के पैसेंजर वीकल पोर्टफोलियो में कई मॉडल्स हैं। नेक्सन, हेरीयर, सफारी, अल्ट्रॉज, टीगोर और टीयोगा जैसी कारें अब महंगी होने वाली हैं। नेक्सन ईवी और टीगोर ईवी जैसी इलेक्ट्रिक पैसेंजर कारें भी कंपनी के पोर्टफोलियो में हैं। कंपनी ने हाल ही में अपनी माइक्रो एसयूवी टाटा पंच लॉन्च की है। टाटा पंच को भारत में 5.49 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है, जो कि इसके प्योर ट्रीम लेवल वेरिएंट की कीमत है। इसके एडवेंचर ट्रिम लेवल की कीमत 6.39 लाख रुपये, अकाम्पलीस्ड ट्रिम लेवल की कीमत 7.29 लाख रुपये और क्रेटिव ट्रिम लेवल की कीमत 8.49 लाख रुपये है। ये सभी मैनुअल ट्रांसमिशन ऑप्शन वाले वेरिएंट्स की कीमत है। टाटा की सभी कारों की कीमत जनवरी से बढ़ने वाली है।

यानी अगर आप टाटा कार खरीदने का प्लान बना रहे थे तो यह आपके लिए आखिरी मौका है सस्ती कार खरीदने का। क्योंकि अगले महीने से आपको बढ़ी हुई कीमत के साथ आपको कार खरीदनी होगी।

श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने महेला जयवर्धने की सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, खिलाड़ी ने दिया यह बयान

कोलंबो । श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर माहेला जयवर्धने को श्रीलंका की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों (पुरुष, महिला, अंडर-19, ए टीम) का सलाहकार कोच नियुक्त किया गया है। तकनीकी सलाहकार समिति के परामर्श से श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति द्वारा नियुक्त किए जाने के बाद जयवर्धने एक जनवरी 2022 से इस पद पर प्रभाव में होंगे। उनका यह कार्यकाल एक वर्ष के लिए होगा। श्रीलंका क्रिकेट के मुताबिक इस नई भूमिका में जयवर्धने राष्ट्रीय टीमों की क्रिकेट से जुड़ी सभी चीजों के प्रभारी होंगे। वह उच्च प्रदर्शन केंद्र में खिलाड़ियों और टीम प्रबंधनों के लिए अमूल्य रणनीतिक समर्थन प्रदान करेंगे। वह अगले साल विश्व कप को ध्यान में रखते हुए श्रीलंका की अंडर-19 क्रिकेट टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। जयवर्धने ने यह पद मिलने के बाद एक बयान में कहा कि श्रीलंका में विशाल क्रिकेट प्रतिभा और क्षमता के साथ न्याय करने में हमारी मदद के लिए अंडर-19 और ए टीम टीमों सहित हमारी विभिन्न टीमों में राष्ट्रीय क्रिकेटरों और कोचों के साथ काम करने का यह एक रोमांचक अवसर है। मैं श्रीलंकाई क्रिकेट को लेकर काफी भावुक हूं और मानता हूं कि हम एक समन्वित और केंद्रित टीम प्रयास के साथ सभी आयु समूहों में काम करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए भविष्य में लगातार सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज से विराट कोहली ने वापस लिया नाम: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

26 दिसंबर से भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा शुरू होने वाला है, लेकिन अभी से भारतीय टीम के लिए बुरी खबरें सामने आने लगी है। चोट लगने के कारण टेस्ट से उपकप्तान रोहित शर्मा के बाहर होने के बाद, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं। इस बात की जानकारी मंगलवार को एक रिपोर्ट में दी गई है। चोटिल रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे, इसके साथ ही वनडे मैचों में कोहली भारतीय टीम के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। पता चला है कि कोहली पहले ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अपने फैसले से अवगत करा चुके हैं।टेस्ट सीरीज के बाद भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली दक्षिण अफ्रीका में वनडे सीरीज मिस करने जा रहे हैं क्योंकि वह अपनी बेटी वामिका का पहला जन्मदिन मनाने के लिए समय निकाला चाहते हैं। वामिका का जन्म पिछले साल 11 जनवरी को हुआ था और कोहली अपने परिवार के साथ छुट्टी की योजना बना रहे हैं। इसलिए वह सिर्फ टेस्ट सीरीज में खेलते नजर आएंगे। पिछले साल, जब वामिका का जन्म हुआ था तब कोहली ऑस्ट्रेलिया में एडिलेड में पहले टेस्ट के बाद अवकाश पर चले गए थे, जिसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने ऐतिहासिक सीरीज में जीत हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका के दौरे का आखिरी टेस्ट 11 जनवरी को खेला जाएगा। इसके बाद, 19 जनवरी से वनडे सीरीज की शुरुआत की जाएगी। बता दें कि अभी तक वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम को ऐलान नहीं हुआ है। बीसीसीआई जल्द ही वनडे सीरीज की घोषणा कर सकता है।

टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं प्रियांक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बल्लेबाज प्रियांक पांचाल दक्षिण अफ्रीका के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के चोटिल होने के कारण प्रियांक को टीम में जगह मिली है। प्रियांक ने हाल ही में हुए दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारत ए की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीन पारियों में 120 रन बनाए थे। इसी कारण उन्हें टीम में शामिल किया गया है। 31 साल के प्रियांक आखिरकार राष्ट्रीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं। प्रियांक ने भारतीय टीम में जगह मिलने पर ट्वीट किया, टीम इंडिया की जर्सी पहनने का अवसर मिलने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मेरे में भरोसा दिखाने के लिए बीसीसीआई का आभार। शुभकामनाओं के लिए आप सभी का धन्यवाद। उन्होंने भारतीय टीम में चुने जाने पर कहा, मुझे खुशी है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ता के कारण दक्षिण अफ्रीका के लिए मुझे जगह मिल रही है जबकि अभी तीन दिन पहले ही मैं भारत ए टीम की ओर से दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर घर लौटा हूं। यहां तक कि मैंने अपना सामान भी नहीं खोला था और अब मैं फिर टीम इंडिया के बायो-बबल में शामिल हो रहा हूं। साथ ही कहा, मैं पिछले कुछ सालों से गुजरात और इंडिया-ए के लिए अच्छा कर रहा हूं, और मैं कई साल से इस मौके का इंतजार कर रहा हूं पर मुझे इस प्रकार अवसर मिलने की उम्मीद नहीं थी। यह एक सुखद आश्चर्य है।

एम्मा रादुकानू कोविड-19 पॉजीटिव, मुबाडाला चैम्पियनशिप से हटीं

(एजेंसी)।

यूएस ओपन चैम्पियन एम्मा रादुकानू ने कोविड-19 के लिए पॉजीटिव रिजल्ट दिया है। इसके बाद वह मुबाडाला विश्व टेनिस चैम्पियनशिप से हट गई है। 16-18 दिसंबर तक चलने वाले इस प्रदर्शनी कार्यक्रम में अबू धाबी में ब्रिटेन की 19 वर्षीय स्टार का मुकाबला ओलंपिक चैंपियन बेलिंडा बेनसिक से होना था। रादुकानु ने कहा- मैं अबू धाबी में प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए बहुत उत्सुक थी लेकिन दुर्भाग्य से कोविड -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद मैं ऐसा कर नहीं पाऊंगी। मैं नियमों के अनुसार अलग-थलग हूं और उम्मीद है कि जल्द ही कोर्ट पर वापस करूंगी। टूर्नामेंट के आयोजकों के एक बयान में कहा गया है- एम्मा सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन कर रही है। हम उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापस आ जाएगी। टूर्नामेंट में राफेल नडाल और एंडी मरे भी हिस्सा लेंगे।

सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप : भारत ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की

ढाका (एजेंसी)।

भारत की अंडर-19 महिला टीम ने यहां सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप में श्रीलंका को 5-0 से हराकर शानदार शुरुआत की। इसके साथ ही उनको टूर्नामेंट में पहला अंक प्राप्त हो गया। इस मैच में नीतू लिंडा ने टीम के लिए दो गोल किए, जबकि संतोष, करेन एस्ट्रोसियो और प्रियंका देवी ने एक-एक गोल दागा, जिससे भारत को टूर्नामेंट में पहली जीत प्राप्त हुई। भारत ने शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया और दूसरे मिनट में ही संतोष ने एक गोल दागकर बढ़त बना ली। इससे पहले, मिडफील्डर ने गोल करने का प्रयास किया था, जिसे श्रीलंका की कीपर टीजेएन डेवेज ने बचा लिया था। तीन मिनट बाद करेन एस्ट्रोसियो ने गोल मारकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद मैच में नीतू लिंडा ने गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया। तीन गोल की बढ़त के साथ, भारतीय महिला खिलाड़ियों ने मैच में अच्छी तरह से पकड़ बनाते हुए श्रीलंका को गोल करने का एक भी मौका नहीं दिया। भारत ने दूसरे हाफ के बाद भी दमदार खेल जारी रखा और लिंडा ने 76वें मिनट में भारत के लिए पांचवां गोल करने का मौका बनाया, लेकिन कामयबाबी नहीं मिली। हालांकि, एक मिनट बाद प्रियंका देवी ने बॉक्स के बाहर से एक शॉट खेलकर भारत के लिए पांचवां और आखिरी गोल दागा।

इंडिया इलेवन :

एड्रिजा सरखेल (गोलकीपर); निर्मला देवी, शिल्की देवी (कप्तान), निशा, रितु रानी, नीतू लिंडा, संतोष, अंजू, अपर्णा नारजारी, करेन एस्ट्रोसियो और एसएन वेंगादाजलम।

संक्षिप्त समाचार

एलपीएल : दांबुला जायंट्स को हराकर प्लेऑफ में पहुंचा जाफना किंग्स

कोलंबो(एजेंसी)।

जाफना किंग्स लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर रहा है, क्योंकि यहां आर. प्रेमदासा स्टेडियम में दांबुला जायंट्स को सात विकेट से हराकर लगातार पांचवीं जीत हासिल की। इस जीत के साथ जाफना किंग्स ने सोमवार को प्लेऑफ में जगह बना ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, किंग्स ने दांबुला जायंट्स को 69 रन पर समेट दिया, जिसमें टीम के चतुरंगा डी सिल्वा ने 16 रन देकर चार विकेट झटके। कप्तान परेरा का पहले गेंदबाजी करने का फैसला सही साबित हुआ, क्योंकि ऑफ स्पिनर महेश थीक्षाना ने पहले ही ओवर में निरोशन डिकवेला और सोहैब मकसूद को आउट कर दांबुला जायंट्स को शुरुआती झटके दिए। अपने अगले ओवर में थिक्शाना ने नुवानिडु फर्नांडो को दो रन पर आउट कर दिया, जिससे जायंट्स की पारी लड़खड़ा गई। बाद में, डी सिल्वा ने जायंट्स के मध्य क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी से आउट कर दिया। फिलिप साल्ट, जो केवल बल्लेबाज थे, जिन्होंने थोड़े बहुत रन जोड़े, लेकिन स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने उन्हें 23 रन पर आउट कर दिया और इसके बाद जायंट्स 14.1 ओवर में 69 रनों पर ऑल आउट हो गया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए जाफना किंग्स ने उपुल थरंगा को जल्दी ही खो दिया, लेकिन टीम ने हसरंगा को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा और उन्होंने 18 गेंदों में 37 रनों की पारी खेलकर टीम को एक आसान जीत दिला दी।

दिल्ली कैपिटल्स का नैट बॉलर रहा यह क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में सिलेक्ट

(एजेंसी) ।

दोनों हाथों से गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते निवेथन राधाकृष्णन ने की अंडर -19 विश्व कप टीम में जगह बना ली है। राधाकृष्णन वेस्टइंडीज में अगले महीने होने वाले टूर्नामेंट के लिए 15-खिलाडियों की टीम में शामिल हुए हैं।युवा प्लेयर इस साल आईपीएल के पहले चरण में दिल्ली कैपिटल्स के लिए नेट गेंदबाजी भी थे। उन्होंने रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ जैसे दिग्गजों से टिप्स लिए। राधाकृष्णन, जिनका परिवार 2013 में भारत से सिडनी गया था, ने इससे पहले अंडर-16 स्तर पर ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है। राधाकृष्णन के पिता ने ही उन्हें सबसे पहले दोनों हाथों से फिंगर स्पिन गेंदबाजी करने के लिए प्रोत्साहित किया। राधाकृष्णन ने इस साल की शुरुआत में बताया था- मेरे खेल में विफलता का कोई डर नहीं है। मुझे परवाह नहीं है कि लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं और असफल होने की परवाह नहीं करते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2010 के बाद से पुरुषों का अंडर-19 विश्व कप नहीं जीता है, जब मिच मार्श ने जोश हेजलवुड, एडम जम्पा, केन रिचर्डसन और निक मैडिनसन की विशेषता वाली टीम की कप्तानी की थी। मौजूदा टीम 28 दिसंबर से मेलबर्न में ट्रेनिंग कैंप के लिए इकट्ठा होगी। ऑस्ट्रेलिया के अभियान की शुरुआत 14 जनवरी को गुयाना में मेजबान टीम के खिलाफ मैच से होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से ग्राहम मनौ ने कहा- यह एक चुनौतीपूर्ण चयन प्रक्रिया थी। लेकिन हम अपने पाथवे सिस्टम में सभी खिलाड़ियों के विकास का समर्थन और निगरानी करना जारी रखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष विश्व कप टीम

हरकिरत बाजवा, एडन काहिल, कूपर कोनोली, जोशुआ गार्नर, इसाक हिगिंस, कैंपबेल केलावे, कोरी मिलर, जैक निस्बेट, निवेथन राधाकृष्णन, विलियम साल्जमैन, लाचलन शॉ, जैक्सन सिनफील्ड, टोबियास स्नेल, टॉम व्हिटनी, टीग वायली।

वार्नर की एडिलेड टेस्ट में खेलने की संभावना : ट्रेविस हेड

एडिलेड(एजेंसी)।

एशेज के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के हीरो रहे ट्रेविस हेड ने 16 दिसंबर से होने वाले एडिलेड टेस्ट से पहले कहा है कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर चोट के कारण थोड़े दर्द में हैं। हालांकि उन्होंने आगे कहा है कि अगले डे-नाइट टेस्ट में वार्नर की खेलने की संभावना है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं और उनके फिटनेस पर निर्भर करता है कि वह 26 दिसंबर से एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए फिट हो पाएंगे या नहीं। वार्नर ने भी पहले टेस्ट की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं की थी और उनकी जगह एलेक्स कैरी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में भेजा गया था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छठे ओवर में 20 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जो रूट की अगुवाई वाली इंग्लैंड पर नौ विकेट से जीत हालिस की थी। रिपोटरें से पता चलता है कि भले ही वार्नर चोट के कारण दर्द में हैं, लेकिन स्कैन में उन्हें किसी भी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है, इस प्रकार गुलाबी गेंद के टेस्ट में सलामी बल्लेबाज की लौटने की संभावना है। सेन रेडियो के हवाले से हेड ने कहा, मुझे पता नहीं है कि वार्नर (मंगलवार की रात) ट्रेनिंग करेंगे या नहीं। लेकिन हमने उनको लेकर कोई भी रिस्क नहीं लिया है वह फिलहाल यहां एडिलेड में अपने परिवार के साथ हैं। हालांकि वह थोड़े दर्द में हैं लेकिन वह जल्द ही वापसी करेंगे।

आयरलैंड की महिला क्रिकेटर ने सामान न मिलने की शिकायत आईसीसी से की

दुबई (एजेंसी) ।

आयरलैंड की एक महिला क्रिकेटर ने आईसीसी से शिकायत की है कि उन्हें अभी तक अपना सामान नहीं मिल पाया है। ये क्रिकेटर आईसीसी का क्वालीफायर मुकाबला खेलने जिम्बाब्वे गयीं थी पर ओमीक्रोम के खतरे को देखते हुए आईसीसी ने यह टूर्नामेंट रद्द कर दिया था। उसके बाद ये क्रिकेटर तो स्वदेश पहुंच गयी हैं पर उनका सामान अभी तक नहीं पहुंचा है। काफी इंतजार के बाद आयरलैंड की एक क्रिकेटर गैबी लुइस ने आईसीसी से उनके सामान को लेकर जानकारी मांगी है। गैबी ने ट्वीट करके बताया कि उनका सामाना अभी भी ओमान में ही है। इन क्रिकेटरों को पृथकवास के लिए आईसीसी ने जिम्बाब्वे से ओमान भेज दिया था। इस महिला क्रिकेटर ने आईसीसी से पूछा है कि वे या उनके सामान के बारे में कोई अपडेट था। उनके कॉलेज के नोट्स उनके सामान के साथ ही अटके हुए है और इसे करीब 2 सप्ताह हो गए है। 20 साल की गैबी ने आयरलैंड की तरफ से 22 वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 505 वनडे रन और एक हजार टी20 रन बनाए हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में शतक भी है। इसके अलावा उन्होंने 10 वनडे विकेट और टी20 क्रिकेट में 3 विकेट लिए है।

पृथ्वी को इसलिए नहीं मिला दक्षिण अफ्रीका दौरे में अवसर

नई दिल्ली । युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इससे पहले न्यूजीलैंड के साथ हुई घरेलू सीरीज में भी उन्हे मौका नहीं मिला था। अब जबकि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं तब भी विकल्प के तौर पर पृथ्वी को नहीं बल्कि प्रियांक पांचाल को जगह मिली है। पृथ्वी को जगह नहीं मिलने का कारण उनका भारत ए की ओर से दक्षिण अफ्रीका दौरे में खराब प्रदर्शन रहा है। पृथ्वी अपने इस दौरे में पांच पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये जबकि प्रियांक ने भारत ए के कप्तान के तौर पर अच्छी पारियां खेली थीं।पृथ्वी ने 5 पारियों में कुल 151 रन बनाए। पृथ्वी को तीनों मैच में पारी की शुरुआत के लिए भेजा गया था पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। दक्षिण अफ्रीका में टीम इंडिया ने अब तक एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। इस कारण पांचाल जैसे सीनियर खिलाड़ी को शामिल किया गया है। प्रियांक ने भारत ए की ओर से पहले मैच में बतौर कप्तान 96 रन बनाये थे। हालांकि दूसरे मैच की दोनों पारियों में वह नाकाम रहे और 24 और शून्य रन ही बना पाये थे। वहीं हनुमा विहारी ने 5 पारियों में 3 अर्धशतक लगाकर टीम इंडिया में वापसी की।

विश्व बैडमिंटन : सिंधू की आसान जीत, लक्ष्य और श्रीकांत भी आगे बढ़े

हुएलवा (एजेंसी)।

मौजूदा चैंपियन पी वी सिंधू ने मंगलवार को यहां स्लोवाकिया की मार्टिना रेपिस्का पर 21-7, 21-9 से एकतरफा जीत दर्ज करके विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदीयमान खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने भी जापान के 15वें वरीय केंटा नाशिमोटो को 22-20, 15-21, 21-18 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। किदाम्बी श्रीकांत भी पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।भारत के 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने एक घंटे 9 मिनट तक चले मैच में चीन के ली शी फेंग को 15-21, 21-18, 21-17 से हराया। पुरुष युगल में सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपै के ली झी हुएइ और यांग पो सुआन को 43 मिनट तक चले मैच में 27-25, 21-15 से पराजित किया। विश्व में सातवें नंबर की सिंधू ने अपनी गैरवरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी को केवल 24 मिनट में शिकस्त दी। पिछली बार 2019 में खिताब जीतने वाली छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने अच्छी शुरुआत की और तुरंत ही 4-1 से बढ़त हासिल कर ली। रेपिस्का ने दो अंक बनाकर वापसी की कोशिश की लेकिन भारतीय दिग्गज ने उन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया और ब्रेक तक 11-4 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना दबदबा बनाये रखा और केवल 10 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहरायी गयी। सिंधू ने केवल दो मिनट के खेल में 6-0 से बढ़त बना दी। अपने दबदबे वाले प्रदर्शन से वह ब्रेक तक 11-1 से आगे थी। उन्होंने इसके बाद आसानी से यह गेम और मैच अपने नाम किया। इसके विपरीत सेन को जीत दर्ज करने के लिये काफी संघर्ष करना पड़ा लेकिन वह एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में आखिर में जापानी खिलाड़ी को हराने में सफल रहे। मिश्रित युगल में हालांकि सौरभ शर्मा और अनुष्का पारिख की भारतीय जोड़ी को मलेशिया के तान कियान मेंग और लाइ पेइ जिंग ने सीधे गेम में 21-8, 21-18 से हराया।

एमओसी ने विदेश में अभ्यास के लिए चार नौकायन खिलाड़ियों के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय द्वारा हाल ही में नए सिरे से गठित मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने चीन में अगले साल होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिए विदेश में अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के चार नौकायन खिलाड़ियों के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। चार ओलंपियन के प्रस्ताव पर पौने तीन करोड़ रूपये से अधिक खर्च होगा। मंत्रालय द्वारा मंगलवार को इसकी जानकारी दी गई। इन खिलाड़ियों में 49 आर विशेषज्ञ वरूण ठक्कर और केसी गणपति (एक करोड़ 34 लाख रूपये),लेसर रेडियल विशेषज्ञ नेत्रा कुमानन (90.58 लाख रूपये) और लेसर स्टैंडर्ड विशेषज्ञ विष्णु सरवनन (51. 08 लाख रूपये) शामिल हैं। यह धन उनकी यात्रा,रहने, कोच के प्रवेश शुल्क, कोच नाव चार्टर और कोच के वेतन पर खर्च होगा। एमओसी ने इसके साथ ही आपात आधार पर कुछ प्रस्तावों को मंजूरी दे दी।इसमें ओलंपिक भाला फेंक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा का अमेरिका में आफ सीजन अभ्यास का प्रस्ताव, महिला बैडमिंटन विश्व चैम्पियन पी वी सिंधू का स्पेन में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में उनके फिटनेस ट्रेनर की सेवायें लेने का प्रस्ताव शामिल है। एमओसी ने आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में टूर्नामेंटों में भाग ले रहे बैडमिंटन खिलाड़ियों को सहायता को भी मंजूरी दे दी।शिखा गौतम, अश्विनी भट, प्रियांशु, विष्णु वर्धन, कृष्णा प्रसाद, ईशान, साई प्रतीक, पी गायत्री, त्रिशा, तनीषा, रूतुपर्णा और सामिया फारूकी के अभ्यास दौरे पर करीब 45 लाख रूपये खर्च आयेगा। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के मार्गदर्शन में हुई बैठक में अभिनव साठे को तब तक भारतीय पुरूष हॉकी टीम का फिजियो बनाये रखने को भी मंजूरी दे दी गई जब तक उनकी फीस एसीटीसी के मार्फत दी जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैराग्लाइडिंग

इंस्ट्रक्टर के लिए भी हैं अवसर

आजकल साहसी खेलों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। ऐसे में लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। जब भी लोगों की छुट्टियां होती हैं तो वह कुछ अलग और रोमांचक करना चाहते हैं। ऐसे में उनके मन में सबसे पहले पैराग्लाइडिंग करने का ख्याल आता है। जमीन से कई फुट ऊपर उड़ने की चाहत भले ही लोगों के मन में हो, लेकिन इसे बिना इंस्ट्रक्टर की मदद के नहीं किया जा सकता। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं, जो आम लोगों को भी कुछ ही देर में आसमान में उड़ने के लिए टेंड करते हैं। जिस तरह लोगों के मन में कुछ रोमांचक करने की चाहत बढ़ती जा रही हैं, उसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर की जरूरत भी काफी अधिक महसूस की जाने लगी है। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में–

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं।

क्या होता है काम

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। वह उन्हें छोटी से छोटी बारीक बातों की भी जानकारी देते हैं ताकि आम पैराग्लाइडर के साथ कोई अनहोनी घटना न हो। वह ग्राउंड लेवल से लेकर 100 फुट से 1000 फुट तक उंचाई में उड़ने का अभ्यास कराते हैं। कुछ नए पैराग्लाइडर काफी डरते हैं, ऐसे में उनके मन से डर निकालने का काम भी एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का ही होता

लाइब्रेरी साइंस में हैं संभावनाएं

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है।

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र–पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा–डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते

हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशिंग हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

पेंटिंग के शौक से मिलेगा रोजगार

अगर आप पेंटिंग का शौक रखते हैं और आप को रंगों से खेलना अच्छा लगता है तो आप एक पेंटिंग को अपना पेश बना सकते हैं। अगर आप में कलात्मकता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। आज एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर अखबर , मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में काम कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी खोल सकते हैं।

बचपन में हम सभी ने अपने हाथों में ब्रश उठाकर पेंटिंग की है। पेंटिंग करना यकीनन हर किसी के मन को सुकून देता है, लेकिन जैसे–जैसे हम बड़े होते चले जाते हैं, वह शौक कहीं पीछे छूटने लगता है। काम की आपाधापी में ब्रश हाथों से कब दूर चला जाता है, पता ही नहीं चलता। लेकिन अगर आपको पेंटिंग करना बेहद पसंद है तो क्यों न अपने इसी शौक को आप अपना कॅरियर बना लें। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में–

क्या होता है काम

एक पेंटर कई तरह के काम करता है। उसका काम घर से लेकर बाहर तक हो सकता है। वह सिर्फ छोटे स्केल पर कागज पर पेंटिंग नहीं करता और न की उसका काम सिर्फ कैनवास तक सीमित है, बल्कि वह घर को नया रुप देने के साथ ही किसी या अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी अपना कलात्मकता दिखा समा है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में सफलता के लिए सबसे जरूरी है आपका कल्पनाशील होना। इसके अलावा आपको पेंट कलर्स, टोन्स, हाइलाइट व आर्ट के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। आपको कलर्स के शेड्स व उनकी मिक्सिंग की जानकारी भी होनी चाहिए। कई बार एक पेंटर को कई बड़े प्रोजेक्ट करने होते हैं, इसलिए उसे टीम के साथ भी काम करना होता है। साथ ही आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, इसके लिए आप फिजिकली व मेंटली तैयार रहें। एक पेंटर सिर्फ पेंटिंग ही नहीं करता, बल्कि अपने काम को लोगों के सामने पेश भी करता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन व लैंग्वेज स्किल भी अच्छी होनी जरूरी है।

एक पेंटर बनने के लिए अलग से किसी स्पेशल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती। लेकिन पेंटिंग की बारीकियों को समझने और अपना हाथ साफ करने के लिए आप इस क्षेत्र में डिप्लोमा या डिग्री कोर्स जैसे बीए इन पेंटिंग, बीए पेंटिंग, स्कल्पचर, अप्लाइड आर्ट्स, बीएफए पेंटिंग, कोर्स आदि कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद इस क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया जा सकता है।

संभावनाएं

पेंटिंग एक बेहतरीन कॅरियर है और एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर न्यूजपेपर, मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में आर्टवर्क की तलाश कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का कोचिंग इंस्टीट्यूट खोलें।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपका काम लोगों को कितना पसंद आता है, लेकिन फिर भी शुरूआती दौर में आप बीस से पच्चीस हजार आसानी से कमा सकते हैं।

वहीं कुछ सालों के अनुभव व आपके काम की लोकप्रियता के आधार पर आपकी आमदनी कई गुना बढ़ भी सकती है।

कैरियर को बनाने में कुछ सहायक बातें

यह ऐसा समय है जबकि एक छोटी सी भूल या गलती आपको कैरियर में काफी पीछे ले जाती है। इसी वजह से कैरियर में हमें अनेक बार ऐसा अहसास होता है कि हम समय से काफी पीछे चले गए हैं। सब कुछ अच्छा होते हुए भी कुछ रह जाने का दर्द हमें सालता रहता है। ऐसे ही अहसास से छुटकारा पाने के लिए जरुरी है कुछ टिप्स अपनाने की वो इस प्रकार हैं।

दक्षता पर ध्यान दें : किसी भी क्षेत्र में दक्षता होनी आवश्यक होती है। हो सकता है कि आप समझाते हों कि आप अपने विभाग में या काम करने की जगह पर सबसे ज्यादा योग्य हैं। आपका अकेडमिक नॉलेज बेहद अच्छा है, लेकिन जब तक काम में दक्षता नहीं होगी यह सब बेकार हो जाता है। इसके लिए जरुरी है कि किताबी ज्ञान से इतर करके देखने पर अमल किया जाए। अपनी कार्य और प्रोफाइल के मुताबिक अपने आपको और अधि क दक्ष बनाएं ताकि आपकी रुकावटें दूर हो सकें और कैरियर बेहतर हो सके।

खुद को बदलने में है समझदारी : अनेक बार हम एक ही जगह लंबे समय तक एक ही तरह का काम करते हुए स्वयं को संतुष्ट कर लेते हैं। यह आपके कैरियर के लिए हानिकारक बात हो सकती है। एक ही जगह या एक ही कंपनी में रहना ठीक है, लेकिन कुछ नया न सीखना या न करना खुद को जांचने और परखने की बजाय जंग लगाने के बराबर है। इसलिए खुद को अप टू डेट रखने के लिए कुछ जरुरी बदलाव लाएं। नई-नई तकनीक और नए नए हुनर सीखने में कोई हर्ज नहीं है।

आत्मविश्वास लाएं : अब आप भले ही योग्य और सीखे हुए हैं लेकिन इसके साथ जरुरी है कि आप में आत्मविश्वास भी हो। काफी अच्छी शॉ क्षा और आपका कई मायनों में दूसरों से बेहतर होना तब फायदेमंद नहीं होता जबकि आपमें आत्मविश्वास नहीं होता। ऐसे में यह सब बेकार साबित हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। जरा सोचें कि जब आप आत्मविश्वास से भरे होंगे तभी तो दूसरे आपकी बात पर विश्वास करेंगे।

ईमानदारी जरुर रखें : तमाम बातों के साथ ही साथ आप अपने करियर के प्रति ईमानदार रहें, वर्ना एक छोटा सा झूठ आपके कैरियर में ग्रहण लगा सकता है। कभी भी खुद को लेकर बड़ी-बड़ी बातें न करें। ऐसा करने से लोगों को या आपके बॉस को आपसे उम्मीदें बढ़ती चली जाएंगी और तब जबकि आप उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे तो यह आपके कैरियर में बैरियर लगाने वाला साबित हो जाएगा। इसलिए अपने काम को बोलने दें और खुद भी ईमानदार रहें।

अतिमहत्वाकांक्षा से बचें: महत्वकांक्षी तो प्रत्येक मनुष्य को होना ही चाहिए, लेकिन अपनी महत्वकांक्षाओं के लिए अगर आप दूसरों को किनारे करेंगे तो यह आपके लिए कुछ समय तक तो सुकून या संतोष देने वाला साबित हो सकता है, लेकिन करियर को ऊंची उड़ान भरने में सहायक साबित नहीं हो सकता। इसलिए महत्वकांक्षी होना अच्छा है, लेकिन अतिमहत्वाकांक्षी होकर गलत कदम उठाना सही नहीं है।

सार समाचार

जासूसी कांड से चर्चा में आई पेगासस को बेचने की तैयारी में एनसीओ, संभावित नए मालिकों में दो अमेरिकी फंड शामिल

देश-विदेश के बड़े नेताओं, सिलेब्रेटी से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियों की जासूसी के आरोपों को लेकर सुर्खियों में रहने वाली इजरायली कंपनी पेगासस स्पाइवेयर एक बार फिर से चर्चा में है। लेकिन इस बार चर्चा की वजह कोई जासूसी से जुड़ा मामला नहीं बल्कि इसके बंद होने और बेचे जाने की खबरों की वजह है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने इन कदमों के बारे में कई निवेश फंडों के साथ बातचीत की है। जिनमें रिफाइनेंस करने या एकमुश्त बिक्री जैसी चर्चा शामिल है। ब्लूमबर्ग से नाम न प्रकाशित किए जाने की शर्त पर जानकारी देने वाले ने कहा कि संभावित नए मालिकों में दो अमेरिकी फंड शामिल हैं जिन्होंने पेगासस को नियंत्रित करने और बंद करने पर चर्चा की है।

इम मामले के जानकार लोगों ने बताया कि पेगासस के पीछे की जानकारी को सख्ती से रक्षात्मक साइबर सुरक्षा सेवाओं में बदलने और इजराइली कंपनी की ड्रोन तकनीक विकसित करने के लिए 200 मिलियन निवेश पर भी चर्चा हुई है। हर्ज़लिया स्थित एनएसओ के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

विवादों में पेगासस

पेगासस इजरायली कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा विकसित एक स्पाइवेयर है। इसे बनाने वाली कंपनी एनएसओ का गठन 2009 में हुआ था और ये अति उन्नत निगरानी टूल बनाती है। इस स्पाइवेयर से फोन हैक होने के बाद यूजर को पता ही नहीं चलता। ये डिवाइस को हैक कर व्हाट्सएप समेत तमाम जानकारियां हासिल करता है। इजरायल की एक फॉर्म द्वारा बनाया गया स्पाइवेयर अनेक देशों में महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम की जासूसी से जुड़े पाए जाने के बाद सुर्खियों में रहा था। सोशल मीडिया से लेकर संसद तक इस मुद्दे की गूंज सुनाई दी थी।

आर्थिक संकट के बीच अफगान मुद्रा का रिकॉर्ड अवमूल्यन

काबुल। अफगानिस्तान में चल रहे मानवीय संकट के बीच, राष्ट्रीय मुद्रा, अफगानी ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले खतरनाक गिरावट दर्ज की है, जिससे खाद्य और ईंधन जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। देश के राष्ट्रीय बैंक, डा अफगानिस्तान बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को अफगानिस्तान एक अमेरिकी डॉलर के लिए 112.60 पर कारोबार कर रहा था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को विनिमय दर 106.12 थी, जबकि एक दिन पहले यह दर 103.66 थी, जो एक निरंतर रिकॉर्ड अवमूल्यन था। 2020 की शुरुआत में, अफगानी ने एक डॉलर के लिए लगभग 76 और इस जनवरी में 77, जुलाई में 81 और अगस्त के मध्य में 90 पर कारोबार किया था। अगस्त में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद, अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक से संबंधित 9 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति को फ्रीज करने और विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा धन में ठहराव का सामना करना पड़ा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अर्थशास्त्रियों और बैंकिंग विश्लेषकों के अनुसार, हाल के दिनों में अफगानी ने विदेशी मुद्रा के मुकाबले सबसे अधिक मूल्य खोया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मुद्रास्फीति 12 से 14 प्रतिशत तक पहुंच गई है और इस स्थिति के बने रहने से देश की अर्थव्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। उनके अनुसार, यह स्थिति देश में छोटे और मध्यम निवेश को नुकसान पहुंचा सकती है और व्यावसायिक गतिविधियों को रोक देगी। दुकानदारों ने कहा कि डॉलर के मूल्य में तेजी से बढ़ोतरी की खबर पूरे शहर में फैलते ही कुछ थोक विक्रेताओं ने सोमवार को अपने बाजार बंद कर दिए।

दक्षिण कोरिया ने विदेश यात्रा को लेकर ट्रैवल एडवाइजरी का किया विस्तार

सियोल। विश्व में कोरोनावायरस के नए ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामले बढ़ने के बीच दक्षिण कोरिया ने विदेशी यात्रा के खिलाफ अपनी ट्रैवल एडवाइजरी को एक और महीने के लिए बढ़ा दिया है। ये जानकारी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को दी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने एडवाइजरी में नागरिकों को लिए 13 जनवरी तक विदेश में गैर-जरूरी यात्राओं को रद्द करने या स्थगित करने की सिफारिश की, जबकि विदेशों में वायरस से निपटने के लिए कड़े रुख अपनाने की बात कही, जिसमें बड़े सामरोह में नहीं जाना शामिल हैं। ट्रैवल एडवाइजरी पहली बार मार्च में जारी की गई थी और इसे हर महीने बढ़ाया जा रहा है क्योंकि सभी देश कोरोना महामारी से संघर्ष कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह वायरस की स्थिति और विदेशी देशों में टीकाकरण दर और ट्रैवल बबल एडवाइजरी में प्रगति के आधार पर सभी देश के लिए विशेष सलाह को एक चेतावनी प्रणाली में बदलने की समीक्षा करने की योजना बना रहा है।

दक्षिण कोरिया सुधार गृह में 70 हजार कैदियों, अधिकारियों की होगी कोरोना जांच

सियोल। दक्षिण कोरिया में सभी सुधार केंद्रों के कैदियों में हाल ही में क्लस्टर संक्रमण के बाद एहतियात के तौर पर करीब 70,000 कैदियों और अधिकारियों का कोरोनावायरस टेस्ट किया जाएगा। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, न्याय मंत्रालय ने कहा कि 17,000 सुधार अधिकारियों और 53,000 कैदियों का कोरोना टेस्ट तीन दिनों तक चलेगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि वह उन लोगों के लिए बूस्टर शॉट्स देने की योजना को बढ़ाएगा, जिन्हें तीन महीने या उससे पहले पूरी तरह से टीका लगाया गया था। यह कदम दक्षिण चुंगचेओंग प्रांत के होंगसेओंग की एक जेल में 27 कैदियों सहित कुल 30 लोगों के वायरस से संक्रमित होने के बाद आया। न्याय मंत्री पार्क बेओम-के ने कोरोना मामलों में बढ़ोतरी के बाद हर संभव प्रयास करने का वादा किया। पिछले साल, सियोल के एक हिरासत केंद्र में संक्रमण फैलने के बाद बड़े पैमाने पर टेस्ट किया गया था।

क्या खत्म होने वाला है दुनिया का सबसे लंबा युद्ध? उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया सुलह के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया के सबसे लंबे युद्ध के खत्म होने की घोषणा आने वाले दिनों में की जात सकती है। इसको लेकर सहमति भी बनती दिख रही है। दो देश जो एक दूसरे के खिलाफ अपने गठन के बाद से ही औपचारिक रूप से युद्ध में हैं। हम बात कर रहे हैं उत्तर और दक्षिण कोरिया की जिनके बीच युद्ध कभी खत्म ही नहीं हुआ था। 1950 में दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हुआ था। 1953 में युद्ध विराम पर हस्ताक्षर किया गया था। लेकिन उत्तरी कोरिया और अमेरिका के बीच, जिसे अंग्रेजी में 'Armistice' कहा जाता है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका, चीन और उत्तर कोरिया के साथ कोरियाई युद्ध को 'सैद्धांतिक रूप से' औपचारिक रूप से समाप्त करने की घोषणा पर सहमत हो गया है। कम से कम कागज पर उत्तर और दक्षिण कोरिया अभी भी एक दूसरे के साथ युद्ध में हैं। वास्तविक युद्ध जिसके परिणामस्वरूप कोरियाई प्रायद्वीप का विभाजन हुआ वह 1950-53 के बीच लड़ा गया था। मून जे-इन ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं और वो स्कॉट मॉरिसन के साथ कैनबरा में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। खास बात ये है कि दक्षिण कोरिया ने युद्ध विराम के दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। लेकिन अब दक्षिण कोरिया अपने सरहद पर शांति चाहता है।

उत्तर कोरिया का क्या कहना है?

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन और स्टेट अफेयर्स कमीशन की प्रमुख किम यो जोंग ने कहा कि अगर दक्षिण कोरिया खुद को अपने अतीत से दूर रखता है और अपने शब्दों और कार्यों में ईमानदारी बहाल करता है तो हम उसके साथ बातचीत फिर से शुरू करने और संबंधों को फिर से बहाल करने के बारे में इच्छुक होंगे।

दोनों देशों के अदावत की कहानी

कोरिया की कहानी शुरू होती है उस दौर से जब वहां सिला राजवंश का शासन हुआ करता था। 900 साल के सिला शासन काल में कोरियाई द्वीप चीन और जपान से अलग दुनिया के नक्शे पर अपनी अलग पहचान रखता था। 20वीं सदी के दौरान सिला राजवंश की पकड़ कोरिया से ढीली हुई और 1910 में जापान ने इस पर कब्जा कर लिया। 1939 से 1945 तक चले दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिकी दुश्मनी जापानियों को भारी पड़ी और इस युद्ध में बुरी तरह हारने के साथ ही जापान हथियार डालने पर मजबूर हुआ। इसी घटना ने कोरिया के 36 सालों की गुलामी से आजाद होने के दरवाजे खुल गए। कोरिया को जापान से आजादी तो मिल गई पर जापान के कोरिया छोड़ते ही कोरिया में गृहयुद्ध जैसे

हालात बन गए। आज़ादी के लिए बने गुट अब दो अलग अलग पावर सेंटर में बंट गए थे। कोरिया के उत्तरी हिस्से पर अपना कब्ज़ा जमाए किम इल संग के कम्युनिस्ट गुट को सोवियत संघ का समर्थन हासिल था। जिसके बाद कोरिया का विभाजन हो गया और एक उत्तर कोरिया कहलाया और दूसरा दक्षिण कोरिया के नाम से जाना गया। 1953 में युद्ध विराम तो हुआ लेकिन युद्ध का अंत नहीं हुआ। दोनों देशों के बीच रिश्तें इतने नाजुक और खराब हैं कि दोनों देशों की फौज कोरिया प्रायद्वीप के 38 पैडल पर आमने-सामने तैनात हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने की राजनाथ सिंह से बात, सीडीएस बिपिन रावत के निधन पर जताया शोक

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बातचीत की और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बलों के 11 अन्य कर्मियों की मौत पर भी शोक जताया। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने अपने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्री ऑस्टिन ने अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने और हमारी रक्षा भागीदारी को सुदृढ़ बनाने की अमेरिका की प्रतिबद्धतादोहरायी।''

उन्होंने कहा, ''रक्षा मंत्री ने आठ दिसंबर को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल रावत, उनकी पत्नी और अन्य सभी भारतीय सेना के सदस्यों की मौत पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।'' सिंह ने ट्वीट कर अपने अमेरिकी समकक्ष द्वारा फोन करने की सराहना की। उन्होंने कहा, ''रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन द्वारा टेलीफोन करने की बेहद सराहना करता हूं, जिन्होंने सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी

पत्नी और सशस्त्र बलों के 11 अन्य कर्मियों की मौत पर संवेदनाएं व्यक्त की। ऑस्टिन ने जनरल रावत की हाल की अमेरिकी यात्रा के दौरान उनसे हुई मुलाकात को याद किया।'' गौरतलब है कि पिछले हफ्ते अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि जनरल रावत ''भारत के लिए मजबूत नेता और पैरोकार थे और उनका निधन दोनों देशों के लिए बड़ी क्षति है।

काबुल ड्रोन हमले में हुई थी 10 नागरिकों की मौत, पेंटागन बोला- अमेरिकी सैनिकों पर नहीं होगी कोई कार्रवाई

काबुल। (एजेंसी।

पेंटागन ने घोषणा की है कि काबुल हवाई हमले के लिए जिम्मेदार किसी भी अमेरिकी सैनिक या अधिकारी को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिसमें 10 अफगान नागरिक मारे गए थे। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद काबुल एयरपोर्ट पर बम से धमाका किया गया था. इस धमाके में 169 अफगानी नागरिकों समेत 13 अमेरिकी सैनिकों की भी मौत हो गई थी। बाद में अमेरिका की ओर से ड्रोन से हमले किए गए जिसमें 10 बेगुनाह अफगान नागरिकों की मौत हो गई थी।

प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन को एयर स्ट्राइक की उच्च स्तरीय समीक्षा मिली थी जिसमें जवाबदेही की कोई सिफारिश नहीं की गई थी।

किर्बी ने कहा कि उनकी सिफारिशों को मंजूरी दे दी गई। अमेरिकी अधिकारियों ने काबुल में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास आईएसआईएस-के आतंकवादियों के खिलाफ ड्रोन हमला किया, जो हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक और आत्मघाती हमला करने के लिए खुद को तैयार कर रहे थे। उन्होंने इस्लामिक स्टेट - खुरासान को सफलतापूर्वक मारने का दावा किया, लेकिन क्षेत्र के एक सर्वेक्षण और वियोन की रिपोर्ट के अनुसार एयर स्ट्राइक ने वास्तव में नागरिकों की मौत हुई।

टीचर्स से करता था नफरत, स्कूल के गेट पर बेखौफ होकर 18 साल के छात्र ने खुद को बम से उड़ाया

नई दिल्ली (पंजाब)।

रूस के एक शहर सर्पुखोव में स्कूल के एक बच्चे ने खुद को बम से उड़ा लिया। 18 वर्षीय लड़के ने 14वीं शताब्दी के व्लादिचनी महिला मठ में इस घटना को अंजाम दिया है। लड़का मठ के ऑर्थोडॉक्स स्कूल में ग्रेजुएशन कर रहा है।अस्पताल में भर्ती लड़के की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है। लेकिन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार लड़के की मौत हो जाने की खबर आ रही है। बता दें कि, इस हमले में 10 लोग घायल हुए हैं। मॉस्को क्षेत्र के बाल अधिकार लोकपाल ने इंटरफैक्स को बताया कि, लड़के समेत 10 लोग घायल हुए हैं और संदिग्ध की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है। जैसे ही हमले की सूचना मिली वैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को स्कूल से निकालना शुरू कर दिया।

हमलावर ने सुबह-सुबह दिया वारदात को अंजाम

स्कूल में मॉर्निंग प्रेयर के दौरान हमलावर ने हमले को अंजाम दिया। स्कूल के अंदर नहीं घुस पाने के कारण हमलावर ने गेट पर ही बिस्फोट कर दिया। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि, 18 वर्षीय छात्र स्कूल की ननों और टीचर से नफरत करता था और इसी वजह से गुस्से में इस हमले को अंजाम दिया। द आरबीसी न्यूज के अनुसार, हमलावर छात्रा का नाम व्लादिस्लाव स्ट्रुझेनकोव बताया जा रहा है। जब पुलिस ने अन्य छात्रों से बातचीत की तो बताया कि, हमलावर छात्र काफी दोस्ताना और शांत तरीके का है। वहीं कुछ का कहना है कि, उसका दूसरे लड़कों के साथ लड़ाई चल रही थी।

आरोपी छात्र खुद नहीं चाहता था कि इस हमले में कोई घायल हो। रूस की होम मिनिस्ट्री ने घटना की जांच के आदेश दे दिए है। मंत्रालय ने सूचना देते हुए बताया कि, लड़के की हालत काफी खराब है और उसके दोनों पैर हमले के कारण खराब हो गई है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक, हमलावर छात्र राइफल शूटिंग का काफी शौक रखता है और बताया जा रहा है कि, हमलावर छात्र को कई छात्र और टीचर्स पसंद नहीं करते थे और लगातार परेशान किया करते थे।जानकारी के लिए बता दें कि, जिस स्कूल में यह हमला हुआ है वह 100 साल से भी ज्यादा पुराना है और रूस के सबसे बेहतरीन स्कूल में से एक माना जाता है।

ओमिक्रॉन के डर के बीच बांग्लादेश ने बूस्टर शॉट अभियान को आगे बढ़ाने पर विचार किया

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश में ओमिक्रॉन वेरिएंट के कुछ पुष्ट मामलों के सामने आने के बाद कोविड -19 के खिलाफ बूस्टर शॉट्स देने के लिए सरकार अपने अभियान को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ बांग्लादेश में तेजी से फैल रहे ओमिक्रॉन के मद्देनजर प्रधानमंत्री शेख हसीना की अध्यक्षता में एक नियमित कैबिनेट बैठक में संबंधित विभागों को निर्देश जारी किया।

निर्देश ने देश के स्वास्थ्य सलाहकार निकाय के नवीनतम सुझावों का भी पालन किया, जिसमें सिफारिश की गई थी कि वरिष्ठ नागरिकों और फ्रंटलाइनर्स को दूसरी खुराक के छह महीने बाद बूस्टर शॉट दिया जाए। कोविड -19 पर सरकार की राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समिति ने सुझाव दिया कि फ्रंटलाइनर्स और 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों को, जिन्हें कम से कम छह महीने पहले दूसरा जैब मिला था, उन्हें बूस्टर खुराक दी जानी चाहिए।

समिति ने वायरस के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट को नियंत्रित करने के लिए किसी भी सभा और बैठक को सीमित करने की भी सिफारिश की। साथ ही यह भी कहा कि जब तक बिल्कुल जरूरी न हो सभी बैठकें ऑनलाइन होनी चाहिए।

इसने महामारी पर लगाम लगाने के लिए

विभिन्न बीफ-अप उपायों के हिस्से के रूप में देश भर में स्क्रीनिंग, क्वारंटीन और अलगाव की आवश्यकता पर भी बल दिया। 11 दिसंबर को, स्वास्थ्य मंत्री जाहिद मालेक ने पुष्टि की थी कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम की दो महिला सदस्यों में ओमिक्रॉन वैरिएंट का पता चला था।

उन्होंने कहा कि क्रिकेटर हाल ही में जिम्बाब्वे से स्वदेश लौटे हैं। बांग्लादेश सरकार ने हाल ही में नए वैरिएंट पर लगाम लगाने के लिए एहतियाती उपायों के तहत सात अफ्रीकी देशों से लौटने वालों के लिए 14-दिवसीय संस्थागत क्वारंटीन अनिवार्य कर दिया है। बांग्लादेश ने अब तक 28,031 मौतों के साथ 15,79,710 कोविड मामले दर्ज किए हैं।

भारत ने जलवायु कार्रवाई को 'सुरक्षित' करने संबंधी मसौदा प्रस्ताव के खिलाफ दिया वोट

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के उस मसौदा प्रस्ताव के खिलाफ सोमवार को मतदान किया, जिसमें जलवायु परिवर्तन को वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से जोड़ने की बात की गई है। भारत ने तर्क दिया कि यह कदम ग्लासगो में कड़ी मेहनत से किए गए सर्वसम्मत समझौतों को कमजोर करने का प्रयास है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, ''जब जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम उठाने और जलवायु न्याय की बात आती है, तो भारत सबसे आगे रहता है, लेकिन सुरक्षा परिषद इनमें से किसी भी मामले पर चर्चा करने का स्थान नहीं है।बल्कि, ऐसा करने की कोशिश उचित मंच पर जिम्मेदारी से बचने और कदम उठाने की अनिच्छा से दुनिया का ध्यान भटकाने की इच्छा से प्रेरित प्रतीत होती है।''

उन्होंने भारत के फैसले का कारण बताते हुए कहा, ''आज का यूएनएससी प्रस्ताव ग्लासगो में बनी आम सहमति को कमजोर करने का प्रयास है। यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र की वृहद सदस्यता के बीच केवल कलह के बीज बोएगा।''

तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत के पास प्रस्ताव के खिलाफ ''मतदान करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था।'' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता को लेकर कोई संशय नहीं होना चाहिए और वह ''जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वास्तविक कार्रवाई तथा गंभीर जलवायु न्याय का हमेशा समर्थन करेगा।'' रूस ने जलवायु परिवर्तन को अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा बताने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अपनी तरह के इस पहले प्रस्ताव के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल किया।

आयरलैंड और नाइजर के नेतृत्व में पेश किए गए प्रस्ताव ने ''जलवायु परिवर्तन के सुरक्षा प्रभावों संबंधी जानकारी शामिल करने'' का आह्वान किया था ताकि परिषद ''संघर्ष या जोखिम बढ़ाने वाले कारकों के मूल कारणों पर पर्याप्त ध्यान दे सके।''

इस प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र महासचिव से जलवायु संबंधी सुरक्षा जोखिमों को संघर्ष निवारण रणनीतियों का एक केंद्रीय घटक बनाने के लिए भी कहा गया है।

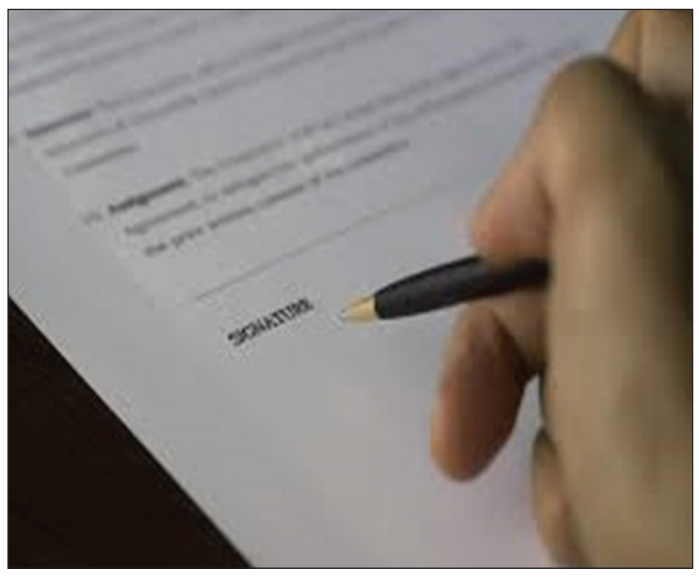

पाकिस्तान ने मिसाइलों के नाम पर राजनाथ सिंह की टिप्पणी को बताया अनुचित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री की उस टिप्पणी को ''अनुचित और भड़काऊ'' करार दिया जिसमें राजनाथ सिंह ने कहा था कि इस्लामाबाद ने अपनी मिसाइलों का नाम भारत पर आक्रमण करने वालों आक्रांताओं के नाम पर रखा है। वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के उपलक्ष्य में रविवार को स्वर्णिम विजय पर्व के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान की मिसाइलों का नाम क्रूर आक्रमणकारियों - गौरी, गजनवी और अब्दाली के नाम पर रखा गया है जिन्होंने भारत पर आक्रमण किया था। उन्होंने कहा था कि कोई पाकिस्तान सरकार को बताए कि इन आक्रमणकारियों द्वारा किए गए हमले का निशाना पाकिस्तान के भौगोलिक क्षेत्र में रहनेवाले लोग भी बने थे। उन्होंने कहा था कि दूसरी ओर, भारत ने अपनी मिसाइलों को आकाश , पृथ्वी और अग्नि नाम दिया है। सिंह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने यहां कहा, पाकिस्तान 12 दिसंबर को नयी दिल्ली में एक कार्यक्रम में भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा की गई अनुचित, अनावश्यक और भड़काऊ टिप्पणियों की कड़ी निंदा करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामलला के दरबार में आएंगे भाजपा शासित राज्यों के सीएम

नई दिल्ली ।
बाबा विश्वनाथ की नगरी में दिव्य काशी-भव्य काशी आयोजन का हिस्सा बनने के बाद देश के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मंगलवार को अयोध्या पहुंचेंगे। वे यहां रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने के साथ ही मंदिर निर्माण कार्य भी देखेंगे। यूपी सहित पांच राज्यों में जल्द होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा इन आयोजनों के जरिए हिन्दुत्व और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुद्दों को धार देने में पूरी शिद्दत से जुटी है। अयोध्या और काशी के जरिए इस मुहिम को आगे बढ़ाया जा रहा है। सभी मेहमानों को दिव्य दर्शन कराने के लिए रामजन्मभूमि ट्रस्ट ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। भाजपा यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार अयोध्या के बाद काशी मॉडल को आधार बनाकर माहौल बनाना चाहती है। अयोध्या, काशी और मथुरा शुरुआत से संघ-भाजपा और हिंदूवादी संगठनों के के एजेंडे में शामिल रहे हैं। यही कारण है कि काशी में मकर संक्रांति तक एक माह आयोजनों की धूम रहेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री भी कई बार अपने संसदीय क्षेत्र में होने वाले आयोजनों का हिस्सा बनेंगे। इसी क्रम में काशी विश्वनाथ कॉरीडोर के भव्य लोकार्पण समारोह में भाग लेने के लिए भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्री सोमवार को वाराणसी पहुंच गए थे। रामजन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय अपने सहयोगी ट्रस्टी डा. अनिल मिश्र के अलावा मंदिर की निर्माणदायी संस्था एलएंडटी और टीईसी के परियोजना प्रबंधकों संग मंगलवार को राजस्थान जा रहे हैं। यह लोग वहां मकराना और अन्य स्थान पर चल रही राम मंदिर निर्माण कार्यशाला का निरीक्षण करेंगे। ऐसे में वीवीआईपी का स्वागत ट्रस्ट की ओर से न्यासी विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र एवं निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेन्द्र दास करेंगे। संघ के तकनीकी सलाहकार जगदीश आफले उन्हें मंदिर निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराएंगे। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री गण रामजन्मभूमि परिसर में दूसरी पाली में पहुंचेंगे। उन सभी को दर्शन मार्ग पर व्यू प्वाइंट से ही मंदिर निर्माण कार्य दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए परिसर में ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था भी ट्रस्ट की ओर से कराई जा रही है। निर्माण प्रक्रिया को समझाने के लिए डिसप्ले बोर्ड पर डिजाइन को उसी प्रकार चस्पा किया जाएगा जैसे इसी वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगमन पर किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व हरियाणा के अतिरिक्त बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री यहां आएंगे। उनकी अगवानी के लिए प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री डा. नीलकंठ तिवारी भी मौजूद रहेंगे।

लापरवाही का नतीजा श्रीनगर आतंकी हमला

श्रीनगर ।

श्रीनगर में सोमवार की शाम सुरक्षाबलों के बस पर हुए आतंकी हमले के बाद गृह मंत्रालय लगातार जम्मू-कश्मीर प्रशासन से संपर्क में है। घटना को काफी गंभीर माना जा रहा है। वहीं, यह बात सामने आ रही है कि जिस बस में तीन तरफ से हमला हुआ वह बुलेटप्रूफ नहीं थी। यही नहीं, बताया जा रहा है कि बस में बैठे सुरक्षाकर्मी पूरी तरह से हथियार से लैस भी नहीं थे। बहुत कम पुलिसवालों के पास हथियार थे। अधिकारियों का कहना है कि घटना के विभिन्न पहलुओं को खंगाला जा रहा है। मालूम हो कि आतंकियों ने बस को रोकने के लिए टायर पर फायरिंग की। इसके बाद बस पर तीन तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। इस कायराना हरकत को अंजाम देने वाले दहशतगर्द विदेशी हैं या स्थानीय, इसकी जांच की जा रही है। सारे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए फिलहाल सुरक्षा बलों को साफ निर्देश हैं कि हमलावर किसी भी सूरत में बचने न पाए। फिलहाल गृह मंत्रालय पूरी जानकारी हासिल कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि घटना में हाइब्रिड आतंकियों के शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जिस तरह से हमला हुआ है उससे साफ है कि हमले के पहले व्यापक स्तर पर रेकी की गई होगी। आतंकियों को इस बात की जानकारी जरूर रही होगी कि जिस गाड़ी पर सशस्त्र पुलिस बल के जवान जा रहे हैं वह बुलेटप्रूफ नहीं है। आतंकी लगातार नए टारगेट और नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे युवाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिनका पहले आतंक से नाता नहीं रहा है। ऐसे युवा किसी आतंकी गुट में शामिल नहीं होते। उन्हें आतंकी गतिविधि के लिए हथियार व पैसा दिया जाता है। वे हमलों को अंजाम देने के बाद फिर से मुख्यधारा में लौटकर आम लोगों से घुलमिल जाते हैं। इनकी पहचान करना मुश्किल होता है। सूत्रों का कहना है कि जिस तरह के हालात हैं उसमें किन सुरक्षा मानकों की चूक हुई है उनपर भी ध्यान दिया जाएगा। क्योंकि पिछले दिनों टारगेट किलिंग में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाए जाने के बाद पुलिस बल पर इस तरह की हमला एक चेतावनी है।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बैनर में लगाई आग

नई दिल्ली ।
दक्षिणपंथी 'बजरंग दल' के कार्यकर्ताओं ने गुजरात के सूरत में एक रेस्तरां में आयोजित किए जाने वाले 'पाकिस्तानी फूड फेस्टिवल' का एक बड़ा बैनर उतारकर उसमें आग लगा दी। बजरंग दल के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने यह जानकारी दी और दावा किया कि रेस्तरां ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। रिंग रोड इलाके में स्थित रेस्तरां की इमारत के ऊपर लगाए गए बैनर को उतार दिया गया और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए उसमें आग लगा दी गई। यह फेस्टिवल 12 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच 'टेस्ट ऑफ इंडिया' में आयोजित किया जाना था। बजरंग दल की दक्षिण गुजरात इकाई के अध्यक्ष देवीप्रसाद दुबे ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने इमारत से बैनर उतार दिया और उसमें आग लगा दी क्योंकि वे इस कार्यक्रम के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, 'हमने सुनिश्चित किया कि रेस्तरां में इस प्रकार के उत्सव का आयोजन नहीं हो। इस प्रकार के उत्सव का आयोजन सहन नहीं किया जाएगा। रेस्तरां ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है।' 'टेस्ट ऑफ इंडिया' का संचालन करने वाले 'शुगर एंड स्पाइस रेस्टोरेंट्स' के संदीप डावर ने कहा कि वे मुगलई व्यंजन परोसना जारी रखेंगे और कार्यक्रम से 'पाकिस्तानी' शब्द हटा देंगे क्योंकि इससे कुछ लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। इस संबंध में कोई पुलिस मामला दर्ज नहीं किया गया है।

ओम बिरला ने मंत्रियों को दी नसीहत लोकसभा से नहीं चलाएं अपना मंत्रालय

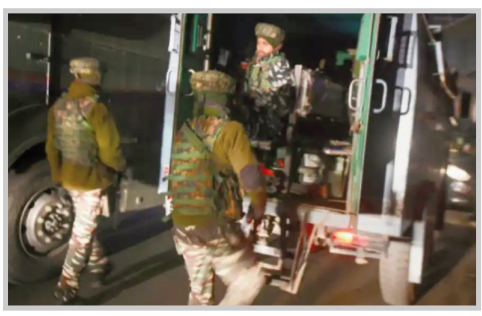

नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंत्रियों द्वारा लोकसभा के भीतर विभिन्न मुद्दों पर सदस्यों के साथ बातचीत करने पर नाराजगी व्यक्त की और उन्हें सदन से अपने कार्यालय नहीं चलाने की नसीहत दी। आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एक सदस्य के साथ बातचीत करते देखे गए। मंत्री प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद किसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए अपनी सीट पर आए थे। बीच-बचाव करते हुए ओम बिरला ने कहा, माननीय सदस्यों, मंत्रियों को यहां से अपना मंत्रालय नहीं चलाना चाहिए। मंत्रियों को सांसदों से कार्यालय में मिलने आने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से सदन की मर्यादा बनाए रखने के लिए कहा। विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य अक्सर मंत्रालयों से संबंधित कुछ मुद्दों को उठाने के लिए विभिन्न मंत्रियों की सीटों पर जाते हैं, भले ही सदन की कार्यवाही चल रही हो। ओम बिरला ने प्रश्नकाल समाप्त होने की घोषणा के बाद भी एक प्रश्न के उत्तर को जारी रखने के लिए केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी को फटकार लगाई। उन्होंने कहा, मंत्री जी, स्पीकर ने घोषणा कर दी है, बैठ जाइए। जब मैंने कहा कि प्रश्नकाल खत्म हो गया है तब भी आप बोलना जारी रखे हुए हैं।

काशी विश्वनाथ से दक्षिण भारत में भी अपनी जमीन मजबूत करेगी बीजेपी

काशी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन को भाजपा ने मेगा इवेंट के रूप में पेश किया है। भाजपा इसका लाभ उत्तर प्रदेश के चुनाव में लेने की कोशिश तो करेगी ही, लेकिन इसके जरिए वह दक्षिण भारत में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी। खासकर केरल व तमिलनाडु में जहां भाजपा सबसे कमजोर स्थिति में है। उत्तर प्रदेश की चुनावी जमीन पर विभिन्न राजनीतिक मुद्दों में भाजपा के एजेंडे में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तो पहले से ही शामिल रहा है। अब वह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को भी अपने प्रचार अभियान में शामिल करेगी और लोगों को बताएगी कि किस तरह से मुगल काल में हुए अत्याचारों और आक्रमणों को सुधार कर काशी विश्वनाथ को नया स्वरूप दिया गया है। मथुरा को लेकर भी पार्टी के नेताओं के बयान इस में जुड़े हुए हैं। इस तरह से अयोध्या, काशी और मथुरा की तीनों मुद्दों पर पार्टी कहीं न कहीं अपने कॉडर और समर्थक वर्ग को एक संदेश भी दे रही है। हालांकि, पार्टी यहीं तक सीमित नहीं है। उसकी सोच दक्षिण भारत तक जा रही है। पार्टी का मानना है कि दक्षिण भारत में चूंकि शैव समुदाय ज्यादा है और काशी विश्वनाथ के जीर्णोद्धार से वहां के लोगों में जो खुशी का माहौल बनेगा, वह भाजपा को लेकर उनकी सोच में बदलाव लाएगा। खास कर केरल व तमिलनाडु में जहां भाजपा को हिंदू समुदाय का ज्यादा समर्थन नहीं मिलता है। वहां पर पार्टी काशी विश्वनाथ के जीर्णोद्धार को लेकर जनता को बताएगी कि किस तरह मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति और सबको साथ लेकर चलने की सोच ने बिना किसी व्यवधान के काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग परिसर को नया और भव्य स्वरूप दिया है।

देश भर में बनेंगे 21 ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री डॉक्टर वी के सिंह ने सोमवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सरकार ने ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा नीति, 2008 तैयार की है। इस नीति द्वारा देश में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश प्रदान किए जाएंगे। दरअसल, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री डॉक्टर वी के सिंह ने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने अगले 4-5 वर्षों में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नए हवाई अड्डों के विकास और मौजूदा हवाई अड्डों को बेहतर बनाने का काम शुरू किया है। मंत्री ने यह भी बताया कि हवाई अड्डों में से आठ हवाई अड्डों का काम चालू कर दिया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि 'उड़ान' योजना के तहत अब तक 14 वाटर एयरोड्रोम और 36 हेलीपैड सहित 154 क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं के लिए हवाई अड्डों की पहचान की गई है। सांसद विजय पाल सिंह तोमर को जवाब देते हुए संसद में वीके सिंह ने कहा कि एएआई ने नए हवाई अड्डों के विकास और मौजूदा हवाई अड्डों के विस्तार और उन्नयन को लगभग लागत पर लिया है। अगले चार-पांच साल में 25,000 करोड़ रुपये इन योजनाओं में लगाए जाएंगे। सिंह ने यह भी बताया कि दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु में तीन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) हवाई अड्डों के लिए 2025 तक 30,000 करोड़ रुपये के लागत के साथ इनके विस्तार की योजना बनाई गई है। बता दें कि सरकार ने देश में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना हेतु दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा नीति, 2008 तैयार की थी।

नीति के अनुसार, एक हवाईअड्डा डेवलपर (राज्य सरकारों सहित) को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) को एक प्रस्ताव भेजना आवश्यक है। प्रस्ताव के अनुसार 'साइट-क्लीयरेंस' चरण और 'सैद्धांतिक' चरण के अनुमोदन के लिए दो चरण की प्रक्रिया है। फिलहाल अभी तक आठ ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे हैं, जिनमें महाराष्ट्र में शिरडी, पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, सिक्किम में पाक्योंग, केरल में कन्नूर, आंध्र प्रदेश में ओरवाकल, कर्नाटक में कालाबुर्गी, महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग और उत्तर प्रदेश में कुशीनगर शामिल हैं।

ओमिक्रॉन मरीज को फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए देश से बाहर भेजा

बेंगलुरु।

बेंगलुरु पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने फर्जी कोरोना निगेटिव सर्टिफिकेट के जरिए 66 वर्षीय उस दक्षिण अफ्रीकी व्यक्ति को देश से बाहर जाने में मदद की, जो कि देश में ओमिक्रॉन का पहला मरीज था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो बेंगलुरु के प्राइवेट लैब के कर्मचारी हैं जबकि दो उस प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी हैं, जहां दक्षिण अफ्रीकी डायरेक्टर है। सरकार की ओर से यह बताए जाने के बाद कि मरीज ने फर्जी सर्टिफिकेट के सहारे देश छोड़ दिया है, पुलिस ने 5 दिसंबर को केस दर्ज किया था। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि एयरपोर्ट रोड स्थित लैब के कर्मचारियों फर्जी टेस्ट रिजल्ट तैयार करने के लिए गिरफ्तार किया गया, जबकि दो को 66 वर्षीय मरीज की ओर से सर्टिफिकेट तैयार कराने के लिए गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी सेंट्रल एमएन अनुचेथ ने कहा, हमने चार लोगों को हिरासत में लिया है और आगे की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद पता चलेगा कि क्या ये फर्जी सर्टिफिकेट बनाने के बड़े रैकेट का हिस्सा हैं या नहीं। वह व्यक्ति 20 नवंबर को बेंगलुरु पहुंचा और यहां उसकी कोविड-19 रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

उसने खुद को संगरी ला होटल में आइसोलेट किया। फॉलो-अप प्रक्रिया के तहत जब सरकारी डॉक्टर उसे देखने पहुंचे तो पाया कि उसमें कोई लक्षण नहीं है। इसके बाद भी वह आइसोलेट था। लेकिन पुलिस ने पाया कि वह 24 नवंबर को बोर्डरूप मीटिंग में गया था। उसका सैंपल जीनोम स्वीक्वेंसिंग के लिए भेजा गया, क्योंकि वह जोखिम वाले देश से आया था। एक दिन बाद 23 नवंबर को उसने एक प्राइवेट लैब में जांच कराई और उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई। उसने अधिकारियों को जानकारी दिए बिना 27 नवंबर को देश छोड़ दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जिन्हें दक्षिण अफ्रीकी को ट्रेस करने का काम दिया गया था, ने कहा कि 27 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस से मरीज का पता लगाने को कहा।

पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर पुलिस अधिकारी ने कहा, उस रात हमने उसे ट्रैक किया और उस समय उसका जो लोकेशन मिला उसके मुताबिक दुबई की फ्लाइट ले चुका था। 2 दिसंबर को स्वास्थ्य विभाग ने उसे देश का पहला ओमिक्रॉन संक्रमित बताया।

मास्क का अनिवार्य प्रयोग सुनिश्चित कराने हेतु

बिहार में कोरोना पर सख्त हुई सरकार बिना मास्क पकड़े जाने पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली।

बिहार में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। मास्क का अनिवार्य प्रयोग सुनिश्चित कराने हेतु सोमवार को जिलाधिकारी द्वारा 5 धावा दल को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह दल भीड़भाड़ वाले इलाकों पर नजर रखेगा। डीएम ने सख्त निर्देश दिया कि जो लोग मास्क नहीं पहनेंगे उनपर पचास रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा सभी सिटी बसों में कोई भी खड़ा होकर सफर नहीं करेगा। यात्री खड़े पाये गये तो बस चालक पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर बस दोबारा कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करते पकड़ी गई तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। कोविड कंट्रोल रूम निबंधन एवं परामर्श केंद्र में कार्यरत हो चुका है। इसकी दूरभाष संख्या 0612-2219080/ 2249964 है। इस नंबर पर कोई भी व्यक्ति कोविड से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए तीन पालियों में कर्मियों की तैनाती कर कंट्रोल रूम को कार्यरत बनाया गया है। कांटेक्ट ट्रेसिंग सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है। यही नहीं, सरकारी के अलावा जिले के 9 प्राइवेट लैब में भी कोरोना की जांच की जाएगी। इन लैबों को जांच रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर देनी होगी। साथ ही रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। यह जानकारी डीएम ने बैठक के बाद दी। बताया कि जिले में सोमवार को तीन व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए हैं। एक्टिव केस की संख्या 61 हो गई है। जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन एवं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी को शहरी क्षेत्र में टेस्टिंग कार्य पर विशेष ध्यान देने तथा तेजी लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने तीसरी लहर को देखते हुए कहा कि लोगों को सजग एवं सावधान रहने की जरूरत है, किंतु घबराना नहीं है। डीएम ने अधिकारियों को भी अलर्ट मोड में रहने तथा आगे की तैयारी रखने का निर्देश दिया है।

बीमा क्लेम का रिकॉर्ड 30 मिनट में निपटारा जनरल बिपिन रावत

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दो साधारण बीमा कंपनियों ने हेलीकॉप्टर हादसे में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल विपिन रावत और उनकी पत्नी के अलावा 11 सैन्यकर्मियों की मौत से जुड़े दुर्घटना क्लेम का निपटारा त्वरित गति से कर दिया है। गत आठ दिसंबर को तमिलनाडु में कन्नूर के पास एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें जनरल रावत, उनकी पत्नी मधूलिका, ब्रिगेडियर एल एस लिड्डुर के अलावा दस अन्य रक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। इस हादसे के शिकार अधिकतर सैन्य अधिकारियों से जुड़े समूह व्यक्तिगत दुर्घटना (जीपीए) बीमा दावों का त्वरित निपटारा कर दिया गया है। सेना के सभी अधिकारियों एवं जवानों को अपने सैलरी खाते के साथ जीपीए बीमा कवर मिलता है। सूत्रों के मुताबिक, सार्वजनिक बीमा कंपनियों- न्यू इंडिया एश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस ने इस हादसे में दिवंगत सैन्य अफसरों एवं जवानों के बीमा दावों का त्वरित निपटारा कर दिया है। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस ने जनरल रावत और सात अन्य रक्षाकर्मियों के व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा दावों का निपटारा रिकॉर्ड 30 मिनट में ही कर दिया। इसी तरह न्यू इंडिया एश्योरेंस ने ब्रिगेडियर लिड्डुर से संबंधित बीमा राशि का भुगतान एक घंटे के भीतर ही कर दिया। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सत्यजीत त्रिपाठी ने कहा, गत 10 दिसंबर को हमें बैंक से यह सूचना मिली थी कि ये खाताधारक एक हादसे में मारे गए हैं। यह सूचना मिलते ही हमने बैंक से भेजे गए न्यूनतम जरूरी कागजात के आधार पर फौरन दावे का निपटान कर दिया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में मारे गए लोगों में से आठ लोग एसबीआई जीपीए पॉलिसी के तहत कवर थे। उन्होंने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक में खाता रखने वाले दो अन्य सैन्यकर्मियों के व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा दावों के निपटान की भी प्रक्रिया जारी है। त्रिपाठी ने बताया कि सैन्य अधिकारियों को 30 लाख का बीमा दिया जाता है, जबकि वायु सेना के मामले में यह बीमा 40 लाख रुपये का है।

यूपी चुनाव में एकला चलो की राह पर आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने पिछले दिनों अखिलेश यादव से मुलाकात की थी तो दोनों दलों के बीच गठबंधन के कयास लगने लगे थे। लेकिन अब दोनों दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर पेच फंसता दिख रहा है। इसके चलते आम आदमी पार्टी ने अपने दम पर ही यूपी चुनाव में उतरने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी सीटों को लेकर समझौते पर ज्यादा झुकने को तैयार नहीं थी, जबकि आप की डिमांड ज्यादा सीटों की थी। आईएएनएस की खबर के मुताबिक पार्टी के राज्य प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी ने कहा कि %आप% अब राज्य की सभी सीटों पर उतरने की तैयारी कर रही है। यही नहीं उन्होंने कहा कि हम अगले एक सप्ताह में 100 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर देंगे। इसके कुछ दिन बाद ही नई लिस्ट जारी होगी। आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि दिसंबर के अंत तक हमारी पार्टी 350 से 400 तक उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर लेगी। संजय सिंह की अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद दोनों दलों के गठबंधन के कयास लग रहे थे। हालांकि दोनों ही दलों ने इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा था, लेकिन खंडन भी नहीं किया था। यही वजह थी कि गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। यही नहीं एक रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने जब यूपी के लोगों को लाल टोपी से बचने को कहा और उसे रेड अलर्ट करार दिया तो संजय सिंह की प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। उन्होंने आरएसएस की काली टोपी का जिक्र करते हुए कहा था कि आपकी टोपी और नीयत दोनों ही काली हैं। इशारों में पीएम मोदी ने तंज अखिलेश यादव पर कसा था, लेकिन उसका जवाब जब आम आदमी पार्टी की ओर से आया तो इसे लेकर कयास और तेज हो गए थे। यदि आम आदमी पार्टी अकेले चुनावी समर में उतरती है तो इससे समाजवादी पार्टी जैसे दलों को ही नुकसान पहुंच सकता है।

उत्तराखंड में चुनाव से पहले पार्टियों में भगदड़ की आहट, भाजपा को लग सकता है झटका

रुड़की । उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है पर यहां इससे पहले कुछ पार्टियों में भगदड़ की आहट सुनाई दे रही है। कुछ नेताओं के भाजपा में शामिल होने और कुछ के कांग्रेस में लौटने की खबरें तो आई ही, ये भी चर्चा लगातार रही कि भाजपा के कौन से नेता कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। अब दलबदल की इस सियासत में बहुजन समाज पार्टी का नाम भी सुर्खियों में आ रहा है। हरिद्वार ज़िले की भगवानपुर विधानसभा में एक बार फिर बड़े नेताओं के नाम के साथ दलबदल की राजनीति की चर्चाएं जुड़ रही हैं। चुनाव से ऐन पहले एक बार फिर हो रही इस उथलपुथल में अगर इन चर्चाओं में ज़रा भी सच होता है, तो यहां भाजपा को बड़ा झटका लग सकता है। भगवानपुर विधानसभा की बात करें तो बीजेपी नेता सुबोध राकेश को लेकर सियासी हलकों में खबरें चल रही हैं कि वह हाथी पर सवार हो सकते हैं। अगर ये चर्चाएं सच हुईं तो बीजेपी को भगवानपुर में एक बड़ा झटका लगना तय है। बताया जा रहा है कि सुबोध भाजपा से नाराज़ चल रहे हैं इसलिए इन चर्चाओं को बल मिला है। खुद सुबोध राकेश कटाक्ष के अंदाज़ में कहते हैं कि बीजेपी के पास भगवानपुर में बहुत बड़े बड़े नेता हैं, जो बीजेपी को चुनाव जिता सकते हैं। वास्तव में यह राकेश परिवार की विरासत को लेकर चल रही राजनीतिक लड़ाई को लेकर भी अहम खबर है।साल 2015 में भगवानपुर विधानसभा के उपचुनाव के समय सुबोध राकेश कांग्रेस पार्टी में थे। लेकिन, कांग्रेस से टिकट न मिलने पर 2017 विधानसभा चुनाव से कुछ ही पहले सुबोध ने बीजेपी का दामन थामा था और चुनाव लड़े थे। हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी और सुबोध की भाभी ममता राकेश ने यह चुनाव जीत लिया। वास्तव में, स्वर्गीय सुरेंद्र राकेश भगवानपुर के कद्दावर नेता रहे और 2015 में उनके निधन के बाद परिवार के भीतर उनकी विरासत को लेकर एक संघर्ष की स्थिति दिखी। एक तरफ उनकी पत्नी सियासत के मैदान में आईं तो दूसरी तरफ उनके भाई सुबोध भी। पिछला चुनाव हार जाने के बाद से ही भाजपा में सुबोध को अपनी स्थिति और भविष्य को लेकर चिंता सता रही है। इस बार भी विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर एक अनिश्चय बना हुआ है, इसीलिए सुबोध के पार्टी बदलने की चर्चाएं चल रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश को नई दिशा दे रहा है बनारस, 2014-15 के मुकाबले पर्यटकों की संख्या दोगुनी हुई - पीएम मोदी

नई दिल्ली।

काशी दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्ववेंद महामंदिर में विहंगम योग के 98वें वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि इच्छे छा शक्ति हो तो परिवर्तन संभव है। बनारस को देश को नई दिशा देने वाला शहर बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके विकास का सकारात्मक असर यहां आने वाले पर्यटकों पर भी पड़ रहा है। 2014-15 के मुकाबले में 2019-20 में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या दोगुनी हो गई है। 2019-20 कोरोना कालखंड में अकेले बाबतपुर एयरपोर्ट से ही 30 लाख से ज्यादा लोगों का आना-जाना हुआ है। बनारस जैसे शहरों ने मुश्किल से मुश्किल समय में भी भारत की पहचान के, कला के, उद्यमिता के बीजों को सहेजकर रखा है। आज जब हम बनारस के विकास की बात करते हैं, तो इससे पूरे भारत के विकास का रोडमैप भी बनता है।

बनारस देश को नई दिशा दे रहा है

रिंग रोड का काम भी काशी ने रिकार्ड समय पर पूरा किया है। बनारस आने वाली कई सड़कें भी अब चौड़ी है गई हैं। जो लोग सड़क के रास्ते बनारस आते हैं, वो सुविधा से कितना फर्क पड़ा है, इसे अच्छे से समझते हैं। मैं जब काशी आता हूं या दिल्ली में भी रहता हूं तो प्रयास रहता है कि बनारस में हो रहे विकास कार्यों को गति देता रहूं। कल रात 12 बजे के बाद जैसे ही मुझे अवसर मिला, मैं फिर निकल पड़ा था अपनी काशी में जो काम चल रहे हैं, जो काम किया गया है, उनको देखने के लिए। गौदोलिया में जो सुंदरीकरण का काम हुआ है, देखने योग्य बना है। मैंने मडुवाडीह में बनारस रेलवे स्टेशन भी देखा।

इस स्टेशन का भी अब कायाकल्प हो चुका है। पुरातन को समेटे हुए नवीनता को धारण करना, बनारस देश को नई दिशा दे रहा है।

स्वाधीनता संग्राम के समय सद्गुरु ने हमें स्वदेशी का मंत्र दिया था

स्वाधीनता संग्राम के समय सद्गुरु ने हमें स्वदेशी का मंत्र दिया था। आज उसी भाव में देश ने अब 'आत्मनिर्भर भारत मिशन' शुरू किया है। आज देश के स्थानीय व्यापार-रोजगार को, उत्पादों को ताकत दी जा रही है, लोकल को ग्लोबल बनाया जा रहा है। हमारा गौ-धन हमारे किसानों के लिए केवल दूध का ही स्रोत न रहे, बल्कि हमारी कोशिश है कि गौवंश प्रगति के अन्य आयामों में भी मदद करे। आज देश गोबरधन योजना के जरिए बायो-फ्यूल को बढ़ावा दे रहा है, आर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा दे रहा है।

पानी बचाने को लेकर संकल्प लेने को बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि मैं आज आप सभी से कुछ संकल्प लेने का

आग्रह करना चाहता हूं। ये संकल्प ऐसे होने चाहिए जिसमें सद्गुरु के संकल्पों की सिद्धि हो और जिसमें देश के मनोरथ भी शामिल हों। ये ऐसे संकल्प हो सकते हैं जिन्हें अगले दो साल में गति दी जाए, मिलकर पूरा किया जाए। एक संकल्प ये हो सकता है- हमें बेटी को पढ़ाना है, उसका स्किल डेवलपमेंट भी करना है। अपने परिवार के साथ साथ जो लोग समाज में जिम्मेदारी उठा सकते हैं, वो एक दो गरीब बेटियों के स्किल डेवलपमेंट की भी जिम्मेदारी उठाएं। एक और संकल्प हो सकता है पानी बचाने को लेकर। हमें अपनी नदियों को, गंगा जी को, सभी जल स्रोतों को स्वच्छ रखना है।

गोवा पहुंचीं ममता बनर्जी बोली-

हम लड़ेंगे और मरेंगे, लेकिन पीछे नहीं हटेंगे

-कांग्रेस को दिया प्रस्ताव, क्या स्वीकार कर पाएंगे राहुल गांधी

गोवा।

गोवा विधानसभा चुनाव-2022 से पहले कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच खींचतान बढ़ती जा रही हैं। दोनों पार्टियों के बीच तल्खियां उस समय और बढ़ती दिखीं जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि टीएमसी ने भाजपा से लड़ने के लिए गोवा में कई पार्टियों के साथ गठबंधन किया है अगर कांग्रेस चाहे तो वह उनके साथ शामिल हो सकती है। हालांकि बनर्जी ने ये भी कहा है कि कांग्रेस के लिए यह एक विकल्प है। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में सड़क पर पानी भर जाता है, तो भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों को उनके गृह राज्य भेजती है, लेकिन जब गोवा के नेता भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घिरते हैं तो कोई एजेंसी नजर नहीं आती। वे क्यों आएंगे, वे सभी भाजपा के लोग हैं। ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोलना चाहती। अगर कांग्रेस को लगता है कि वह बीजेपी को हराने के लिए काम करना चाहती है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है।'

हमने गोवा में एमजीपी (महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी) के साथ गठबंधन किया है और आज हमने एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) और चार-पांच दलों को एक साथ मिलकर एक गठबंधन बनाया है। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन ही बीजेपी को हराने के लिए काफी है लेकिन अगर आप जुड़ना चाहते हैं तो हमसे जुड़ें। हमें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि गोवा में भले ही आप मिलकर नहीं लड़ते इसका मतलब यह नहीं है कि कोई और पहल नहीं करेगा।

दक्षिण गोवा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, 'टीएमसी का मतलब मंदिर, मस्जिद और चर्च है।' उन्होंने कहा कि हम बीजेपी से लड़ रहे हैं। क्या जीतने का कोई मौका है? क्या आपको विश्वास है कि हम जीत सकते हैं? यदि आप आश्वस्त हैं, तो पीछे मत हटिए। आगे बढ़िए। गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर बनर्जी ने कहा, 'हम यहां पर वोट के विभाजन के लिए नहीं आए हैं बल्कि बिखरे हुए वोट को एकजुट करने और टीएमसी गठबंधन को जीत दिलाने के लिए हैं। यह बीजेपी का विकल्प है। अगर कोई इसका समर्थन करना चाहता है, तो इसका निर्णय उन्हें करना है, हम पहले ही फैसला कर चुके हैं।

केंद्र की चार धाम डबल लेन सड़क परियोजना को सुप्रीम कोर्ट की इजाजत

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार की चार धाम सड़क परियोजना को अंततः सुप्रीम कोर्ट की अनुमति मिल गई है। पहले शीर्ष कोर्ट ने सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर चारधाम सड़क परियोजना के लिए डबल लेन की अनुमति नहीं दी थी। इसके साथ ही पूर्व जज जस्टिस एके सीकरी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला मोदी सरकार के लिए राहत भरा है। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल वेदर राजमार्ग परियोजना में सड़क की चौड़ाई बढ़ाने की इजाजत दे दी जिसके बाद डबल लेन हाइवे बनाने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा अदालत न्यायिक समीक्षा में सेना के सुरक्षा संसाधनों को तय नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि हाइवे के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने में रक्षा मंत्रालय की कोई दुर्भावना नहीं है। रक्षा मंत्रालय का कहना था कि इस सड़क के निर्माण से भारत की फौज को सीमा तक टैंक और हथियारों के साथ पहुंचने में काफी आसानी होगी और पर्वतीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी। एक एनजीओ ने सड़क को 10 मीटर तक चौड़ा डबल लेन बनाने को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने देश की रक्षा ज़रूरतों के आधार पर सरकार की अधिसूचना को सही ठहराया। लेकिन पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं पर नज़र रखने के लिए पूर्व जस्टिस एके सीकरी की अध्यक्षता में कमिटी का गठन किया। कमिटी सीधे सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट देगी। चारधाम परियोजना का उद्देश्य सभी मौसम में पहाड़ी राज्य के चार पवित्र स्थलों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को जोड़ना है।

पहला कॉलम

कोरोना काल में अनाथ हो गए 9800 से अधिक बच्चे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान पिछले साल अप्रैल से इस साल 07 दिसंबर तक 9800 से अधिक बच्चे अनाथ हो गए। शीर्ष अदालत महामारी के कारण अपने माता या पिता में से किसी एक को गंवा चुके बच्चों पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव का स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर रही है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान एनसीपीसीआर ने एक शपथ-पत्र में यह अहम जानकारी दी। एनसीपीसीआर ने बाल स्वराज पोर्टल-कोविड केयर पर अपलोड किए गए आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि अप्रैल, 2020 से लेकर 07 दिसंबर, 2021 तक 9855 बच्चे अनाथ हो चुके हैं। इस दौरान 1,32,113 बच्चे अपने माता-पिता में से किसी एक को खो चुके हैं और 508 बच्चों को छोड़ दिया गया है। न्यायालय ने सोमवार को कोविड महामारी के कारण अपने माता, पिता या दोनों को खोने वाले बच्चों की पहचान करने की प्रक्रिया की गति को बेहद धीमा करार दिया और राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को ऐसे बच्चों की पहचान और पुनर्वास करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उसने साथ ही कहा कि इसके लिए उसके निर्देशों का इंतजार नहीं किया जाए। ऐसे बच्चों के मामले का स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की पीठ ने कहा कि देश में लाखों बच्चे सड़क पर पहुंचने के कगारपर हो सकते हैं

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फोन टैपिंग मामले में महाराष्ट्र द्वारा दस्तावेज मांगे जाने का विरोध किया

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कथित फोन टैपिंग को लेकर दर्ज एक मामले के संबंध में महाराष्ट्र सरकार द्वारा कुछ दस्तावेज मांगे जाने का सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया है और इसे 'अस्पष्ट और अस्थिर' करार दिया है। मुंबई के बीकेसी साइबर पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र के खुफिया विभाग की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ कथित तौर पर अवैध रूप से फोन टैप करने और कुछ गोपनीय दस्तावेज लीक करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। फोन की कथित टैपिंग तब हुई जब आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने राज्य के खुफिया विभाग का नेतृत्व किया, जिससे हंगामा हुआ, महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में पार्टियों ने आरोप लगाया कि शुक्ला ने बिना अनुमति के फोन टैप किया। गृह मंत्रालय ने वकील श्रीराम शिरसत के माध्यम से शुक्रवार को अपने जवाब में कहा कि अक्टूबर में महानगर अदालत में महाराष्ट्र सरकार का आवेदन यह निर्दिष्ट करने में विफल रही कि उसे कौन सा दस्तावेज चाहिए और किससे। इससे पहले, शुक्ला ने बॉम्बे हाईकोर्ट को सूचित किया था कि महाराष्ट्र सरकार ने पुलिस तबादलों और पोस्टिंग में भ्रष्टाचार की शिकायतों को प्रमाणित करने के लिए कुछ फोन नंबरों को इंटरसेप्ट करने की अनुमति दी थी।

जनरल बिपिन रावत रोड किया जाए अकबर रोड का नाम

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख नवीन कुमार ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद से अकबर रोड का नाम बदलकर देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत के नाम पर रखने का अनुरोध किया है, जिनकी हाल ही में तमिलनाडु में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। एनडीएमसी अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में नवीन कुमार ने पिछले हफ्ते लुटियंस दिल्ली में अकबर रोड का नाम बदलकर जनरल बिपिन रावत रोड करने का आग्रह किया था। नवीन कुमार ने हिंदी में लिखे अपने पत्र में कहा कि आपसे अनुरोध है कि जनरल बिपिन रावत के नाम पर अकबर रोड का नाम बदलकर देश के पहले सीडीएस बिपिन रावत को एक स्थायी स्मृति संलग्न करें, जो उन्हें एनडीएमसी द्वारा सच्ची श्रद्धांजलि होगी। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा कि नगरपालिका परिषद अपने अधिकार क्षेत्र में जनरल रावत के नाम पर एक सड़क बनाने के लिए बहुत उत्सुक है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी के तहत किसी सड़क के नामकरण लिए एक प्रक्रिया का पालन किया जाता है। हम इस पर चर्चा करेंगे कि इसे कैसे जा सकता है और किस सड़क का नाम जनरल रावत के नाम पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी को पिछले कुछ दिनों में जनरल रावत की याद में एक सड़क का नाम रखने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

दिल्ली और राजस्थान में ओमिक्रॉन के 4-4 नए मामले दर्ज देश में आंकड़ा पहुंचा 49

नई दिल्ली (ईएमएस)।

देश में अब कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमिक्रॉन' की दहशत बढ़ती जा रही है। तेजी से संक्रमित करने वाले इस खतरनाक 'ओमिक्रॉन' के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। रविवार को दिल्ली और राजस्थान में 4-4 नए मामले दर्ज किए गए, जिसके चलते अब राज्य सरकारें पहले की तुलना में ज्यादा अलर्ट मोड पर आ चुकी है। देश में अब कुल संक्रमितों की संख्या 49 हो गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने नए मामलों को लेकर बताया कि दिल्ली में अभी तक 6 लोग ओमिक्रॉन वैरिएंट से पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसमे से 1 ठीक होकर घर जा चुका है। ओमिक्रॉन के सारे मामले विदेश से आए लोगों में पाए गए हैं, सभी मामले स्टेबल हैं। स्थिति नियंत्रण में है। साथ ही कहा कि वर्तमान में 35 कोविड मरीज और 3 संदिग्ध मामले एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती हैं। इधर, ओमिक्रोन के नए मामलों पर राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि चार और कोरोना के नए वैरिएंट के मामले सामने आए हैं। इन मरीजों की सेहत स्थिर है। राज्य में पिछले सभी ओमिक्रोन मामलों ने अब कोविड निगेटिव परीक्षण किया है। राजस्थान में मौजूदा वक्त में 13 मामले हो चुके हैं। वहीं संक्रमितों के मामले में महाराष्ट्र के बाद दूसरा सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य राजस्थान है। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोविड मामलों में पहले से गिरावट आई है, स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। विदेशों से आने वाले लोगों के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है। आर-टीपीसीआर टेस्ट को और बढ़ाया जाएगा। ब्रिटेन में ओमिक्रॉन वेरिएंट से पहली मौत, शुरू हो गया है बूस्टर डोज प्रोग्राम छह राज्यों में पहुंचा नया वैरिएंट ओमिक्रॉन के अब तक 49 मरीज भारत में मिल चुके हैं, जिससे देश में भी लगातार नए वेरिएंट का खतरा बढ़ाता जा रहा है। अब छह राज्यों में से महाराष्ट्र (20), राजस्थान (13), कर्नाटक (3), गुजरात (4), केरल (1) और आंध्र प्रदेश (1) में रिपोर्ट किया गया है। वहीं दो केंद्र शासित प्रदेश- दिल्ली (6) और चंडीगढ़ (1) मामसे सामने आए है।

कोरोना पड़ा कमजोर, देश में 571 दिनों में आए सबसे कम कोरोना केस, 252 ने गंवाई जान

नई दिल्ली ।

भारत में महामारी कोरोना के वायरस का संक्रमण लगातार घट रहा है। देश में कोविड-19 के 571 दिनों में सबसे कम 5,784 नए मामले सामने आने से कोरोना वायरस के संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,47,03,644 पर पहुंच गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घट कर 88,993 हो गई जो 563 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार इस महामारी से 252 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,75,888 हो गई। संक्रमण के नए मामलों की संख्या लगातार 47 दिनों से 15,000 से कम बनी हुई है। मंत्रालय ने बताया कि देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घट कर 88,993 हो गई जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.26 प्रतिशत है और मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर

98.37 प्रतिशत दर्ज की गई जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,463 मामलों की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण की दैनिक दर 0.58 प्रतिशत दर्ज की गई। यह पिछले 71 दिनों से दो प्रतिशत से कम बनी हुई है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.68 प्रतिशत है और यह पिछले 30 दिनों से एक प्रतिशत से कम बनी हुई है। इस संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,41,38,763 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.37 प्रतिशत है। देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीके की 133.88 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

तीनों सेनाओं में 9,362 अधिकारियों की तथा करीब 1.13 लाख जवानों की कमी

नई दिल्ली।

सरकार ने बताया है कि तीनों सेनाओं में 9,362 अधिकारियों की तथा करीब 1.13 लाख जवानों, एयरमैन और नौसैनिकों की कमी है। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने जो आंकड़े रखे, उनके अनुसार सेना में 7,476 अधिकारियों की और जूनियर कमीशन्ड अधिकारी समेत 97,177 कर्मियों की कमी है। आंकड़ों के अनुसार नौसेना में 1,265 अधिकारियों और 11,166 कर्मियों की कमी है, वहीं वायु सेना में अधिकारियों के 621 पद खाली पड़े हैं तथा 4,850 एयरमैन की जगह खाली हैं।राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि सेना में 7,476 अधिकारियों और जूनियर कमीशंड अधिकारियों सहित 97,177 सैनिकों की कमी है।भट्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, नौसेना में 1,265 अधिकारियों और 11,166 नाविकों की कमी है।भारतीय वायुसेना में खाली पड़े अधिकारियों के पदों की संख्या 621 है जबकि एयरमैन के लिए यह 4,850 है। मंत्री ने कहा, सरकार का प्रयास है कि सशस्त्र बलों में रिक्त पदों को व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से भरा जाए, जो एक सतत प्रक्रिया है। भट्ट ने कहा कि वर्तमान में 53,569 अधिकारी और 11,35,799 सैनिक भारतीय सेना में सेवारत हैं। उन्होंने कहा कि नौसेना में सेवारत अधिकारियों की संख्या 11,100 है जबकि नाविकों की संख्या 63,515 है। भारतीय वायुसेना में अधिकारियों की संख्या 12,048 और एयरमैन की 1,38,792 है। यह पूछे जाने पर कि क्या रक्षा मंत्रालय ने 26 जनवरी को राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड आयोजित करने के विचार को निर्माण गतिविधियों के कारण छोड़ दिया है, उन्होंने कहा, 'नहीं'।

5 राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया शुरू

इस समय हो सकता है तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली । अगले साल की शुरुआत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा किसी भी समय हो सकती है। चुनाव आयोग ने इसके संबंध में संकेत देने शुरू कर दिए हैं। अगले साल फरवरी-मार्च में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर विधानसभाओं के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए चुनाव आयोग कल (बुधवार) पंजाब से चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए अपनी परंपरागत दौरे की शुरुआत कर रहा है। चुनाव तारीखें तय करने से पहले आयोग सभी संबंधित पक्षों से इस विषय पर चर्चा कर लेना चाहता है। माना जा रहा है कि फरवरी से मतदान की शुरुआत हो सकती है और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में 6 से लेकर 8 चरणों तक में चुनाव करवाए जा सकते हैं। खबरों के मुताबिक पंजाब के बाद चुनाव आयोग अगले हफ्ते पहले गोवा और फिर उत्तराखंड में चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए वहां के दौरे पर जा सकता है। चुनाव आयोग में अभी सुशील चंद्रा मुख्य चुनाव आयुक्त हैं और राजीव कुमार और अनूप चंद्र पांडे चुनाव आयुक्त हैं। हालांकि, आयोग उत्तर प्रदेश के दौरे पर कब जाएगा, यह तय होना बाकी है। वैसे माना जा रहा है कि उत्तराखंड की यात्रा के बाद आयोग यूपी में चुनाव तैयारियों का जायजा लेने के लिए जा सकता है। खास बात ये है कि उत्तर प्रदेश सबसे पड़ा राज्य है और इसलिए वहां चुनावों के चरण भी सबसे ज्यादा होने की संभावना है। संकेतों से लग रहा है कि चुनाव आयोग अगले साल जनवरी (2022) महीने के शुरू में ही चुनाव तारीखों की घोषणा कर सकता है। चुनाव आयोग पहले ही मतदान वाले राज्यों से 1 जनवरी, 2022 को संदर्भ तिथि मानकर ताजा मतदाता सूची प्रकाशित करने को कहा हुआ है। कुछ राज्यों ने तो वादा किया है कि वह 1 जनवरी को ही संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित कर देंगे, जबकि यूपी को लेकर संभावना है कि वह 5 जनवरी, 2022 को इसे प्रकाशित करेगा। सामान्य तौर पर चुनाव आयोग मतदान वाले राज्यों में ताजा मतदाता सूची प्रकाशित होने तक चुनावों की घोषणा की प्रतीक्षा करता है, लेकिन यह कोई अनिवार्य प्रक्रिया नहीं है। आखिरकार चुनाव आयोग तारीखों पर फैसला करने से पहले गृह मंत्रालय के अधिकारियों से भी मीटिंग करता है, ताकि चुनावों के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इसी आधार पर चुनाव आयोग को चुनावों के चरण और तारीखें निर्धारित करने में सहायता मिलती है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com